● वर्ष : 17 ● अंक : 146 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 17 मार्च 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

एलपीजी संकट पर राज्यसभा में सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोंकझोंक

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और कीमतों के मुद्दे सोमवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक देखने को मिली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें टोका, जिसके बाद सदन में कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया। खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी संकट की स्थिति बन गई है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज की खाड़ी के रास्ते से आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने से देश के कई हिस्सों में आम जनता, होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्टल सहित विभिन्न क्षेत्रों में परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर एलपीजी सिलेंडर के दाम 5,000 रुपये से अधिक तक पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया था कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और अफवाहों से बचने को कहा था, लेकिन जमीनी हालात अलग दिखाई दे रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ा था, तब सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। उस समय से सरकार को यह मालूम था कि ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, इसके बावजूद पर्याप्त तैयारी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शहरों में एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का वेटिंग पीरियड 25 दिन और ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में 45 दिन तक पहुंच गया है, जिससे पैनिक बुकिंग और जमाखोरी की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने सरकार से इस विषय में तत्काल ठोस कदम उठाने और आम लोगों तथा छोटे व्यापारियों को किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि उन्हें दुख है कि विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, विपत्ति के समय भी राजनीति करने से पीछे नहीं हटती। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न हुई समस्या भारत के कारण नहीं है और इस मुद्दे पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहले ही सदन में विस्तृत जानकारी दे चुके हैं। नड्डा ने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के मामले में कांग्रेस का एक नेता पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी को मिलकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार ने फिर दोहराया देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित निकासी और भारतीयों की स्वदेश वापसी के प्रयास कर रही है। सरकार ने फिर दोहराया कि देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं है और वितरण एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है। एलपीजी से लदा एक जहाज भारतीय तट पर पहुंच रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई लगातार मिल रही है और डिस्ट्रीब्यूटर-लेवल पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि अब लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन ही की जाती हैं और 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' का इस्तेमाल बढ़कर 72 प्रतिशत तक पहुंच गया है। राज्यों ने जमाखोरी और कालाबाज़ारी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज़ कर दी है। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं के पास पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन हैं, उन्हें सलाह दी गई है कि वे अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दें और घबराहट में बुकिंग करने से बचें। इसके अलावा कच्चे तेल की सप्लाई पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप भी सामान्य रूप से चल रहे हैं और कहीं भी तेल खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। प्राकृतिक गैस की सप्लाई भी बिना किसी रुकावट के जारी है और सीएनजी तथा पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए 100 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कमर्शियल एलपीजी इस्तेमाल करने वालों को पीएनजी पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए सीजीडी कंपनियां इंसेंटिव दे रही हैं और नए कनेक्शन देने की प्रक्रिया को भी तेज़ कर रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद, तेहरान स्थित हमारा दूतावास पूरी तरह से काम कर रहा है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव बनाम एक तीर से कई शिकार?

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 15 मार्च रविवार को पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा कर दी। देश में पहली बार मात्र 21 दिनों में मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कराने की अभी तक की जो प्रक्रिया थी। उसमें मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए जिस तरीके से पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए हैं। उसके कई अन्य मायने भी माने जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार ने एक ही तीर से कई निशाने साधे हैं? चुनाव आयोग के इस निर्णय पर यह कहा जा सकता है, संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता को भूल चुकी हैं? वह सरकार के इशारे पर ही काम कर रहीं हैं। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा न्यायपालिका की हो रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पहली बार 9 से 29 अप्रैल के बीच मात्र 21 दिनों में नामांकन से लेकर मतदान तक की प्रक्रिया पूर्ण कराने का रिकॉर्ड बनाया है। संसद का बजट सत्र चल रहा है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। संसद में इसके बारे में चर्चा होनी थी।

सांसद एवं विधायक इसी बीच चुनाव घोषित कर दिए गए। चुनाव घोषित होने का प्रभाव यह होगा की सभी राजनीतिक दल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के चुनाव में व्यस्त हो जाएंगे। संसद में सांसदों की उपस्थिति और सक्रियता बहुत कम हो जाएगी। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जो प्रस्ताव पेश किया गया है, उस पर भी शायद चर्चा हो पाए। शायद इसी रणनीति को ध्यान में रखते हुए रविवार के दिन चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची अभी तक जारी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायपालिका के जज एसआईआर मैं मतदाताओं के नाम जोड़ने के विवाद में सतत जाँच कर रहे हैं। लाखों मतदाताओं के नामों को लेकर जो जाँच चल रही है। वह कब तक पूरी होगी, इसका कोई भरोसा नहीं है।

इसके बाद भी चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के चुनाव भी घोषित कर दिए। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अभी तक इसकी संवैधानिकता के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है। लगभग 1 साल से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जिसमें तारीख पर तारीख मिल रही है। इसी बीच चुनाव भी होते चले जा रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची की जाँच में पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों के जजों को लगा दिया गया है। अभी तक मतदाता सूची फाइनल नहीं हुई, उसके बाद भी चुनाव घोषित कर दिए गए।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका खारिज, अब केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सीबीआई के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने खारिज कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्नियुक्ति के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो सोमवार को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच की।

कटक अस्पताल अग्निकांड पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक, प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख की सहायता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि कटक के एक अस्पताल में हुई दुखद अग्निकांड की घटना में लोगों की मौत से वे गहरे दुखी हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कटक के अस्पताल में हुई दुखद आग की घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान से वे अत्यंत दुखी हैं। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि कटक स्थित अस्पताल में हुई दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं।

डाक विभाग कल से शुरू करेगा '24 स्पीड पोस्ट' सेवा, छह बड़े शहरों में अगले दिन पार्सल डिलीवरी का दावा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डाक विभाग की '24 स्पीड पोस्ट' सेवा का मंगलवार, 17 मार्च को शुभारंभ करेंगे। इसके तहत जरूरी पार्सल अगले दिन पहुंचाने का वादा किया गया है। प्रथम चरण में यह सेवा देश के छह बड़े शहरों में शुरू की जाएगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के तहत अत्यावश्यक और समयबद्ध पार्सल की अगले दिन गारंटीकृत डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी मौजूद रहेंगे। सरकार के मुताबिक यह सेवा पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। साथ ही '24' और '48 स्पीड पोस्ट' सेवाएं क्रमशः डी+1 (डिस्पैच के अलगे दिन डिलेवरी) और डी+2 (डिस्पैच के दो दिन में डिलिवरी) डिलीवरी टाइमलाइन सुनिश्चित करेंगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाली हवाई ट्रांसमिशन व्यवस्था के जरिए सक्षम बनाया गया है। नई सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ एसएमएस अलर्ट, बिजनेस ग्राहकों के लिए बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यदि डिलीवरी में देरी होती है तो ग्राहकों को मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।

चुनाव से पहले अधिकारियों के तबादले को टीएमसी ने बताया बंगाल के खिलाफ, तो गिरिराज बोले- यह चुनाव आयोग का अधिकार

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता पुलिस कमिश्नर का तबादला किए जाने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय, सागरिका घोष और कीर्ति आजाद ने इसे चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा, जबकि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे आयोग का संवैधानिक अधिकार करार दिया। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम बंगाल के खिलाफ है और इससे चुनाव कराना और भी मुश्किल हो जाएगा। चुनाव दो चरणों में हो रहा है, यह अच्छी बात है। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने आधी रात को बंगाल के मुख्य सचिव और गृह सचिव का तबादला कर चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की कोशिश की है। यह कदम लोकतांत्रिक अधिकारों को नुकसान पहुंचाने वाला है और हमारे संसद सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने इस मुद्दे को सदन में उठाया और इसी विरोध में टीएमसी सदस्यों ने संसद से वॉकआउट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के जरिए राज्य के 50 लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा है, जिससे उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं मिल रहा। बंगाल के लोग चुनाव में भाजपा को जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी राज्य में एकतरफा जीतेगी। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि चुनाव आयोग ने यह कदम भाजपा को खुश करने के लिए उठाया है। इससे पहले भी राज्य में कई चरणों में चुनाव कराए जा चुके हैं। इस बार दो चरणों में करा रहे हैं। यह लोग कितना भी प्रयास कर लें। कुछ बदलेगा नहीं। केंद्र सरकार चाहे जितना प्रयास कर ले, ममता को बंगाल के लोगों के दिल से नहीं निकाल पाएगी। वहीं केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी अधिकारी को हटाना या रखना चुनाव आयोग का अधिकार है। टीएमसी ऐसे आरोप लगाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। बंगाल में जनता टीएमसी को जवाब देगी और इस बार तृणमूल कांग्रेस की खैर नहीं है। अब तक टीएमसी गुंडों के सहारे राज करती रही है लेकिन इस बार जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्तिः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वास्थ्य और व्यायाम के महत्व पर जोर देते हुए एक संस्कृत सुभाषित सोमवार को साझा किया। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य जीवन का सबसे बड़ा धन है। इसे बनाए रखने में नियमित व्यायाम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों के स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में संस्कृत में यह सुभाषित साझा किया-

"व्यायामाल्लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखम्।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्॥"

इस सुभाषित का अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि व्यायाम से उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु, शक्ति और सुख की प्राप्ति होती है। अच्छा स्वास्थ्य सबसे बड़ा सौभाग्य है और जीवन में सभी कार्यों की सफलता का आधार भी स्वस्थ शरीर ही है। मोदी ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है और इसमें व्यायाम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी देशवासियों के लिए स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना भी की।

नेपाल बस हादसे पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जताया शोक

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नेपाल में हुई बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में तमिलनाडु के सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। उपराष्ट्रपति ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इस दुखद घटना पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि नेपाल में हुई बस दुर्घटना के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ है, जिसमें तमिलनाडु के सात भारतीय तीर्थयात्रियों की जान चली गई और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति ने कहा, "मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है। उपराष्ट्रपति ने इस हादसे से जुड़े अधिकारियों और नेपाल स्थित भारतीय दूतावास से घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने और मृतकों के शवों को भारत लाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि यह हादसा शनिवार देर शाम नेपाल के गोरखा जिले में हुआ।

महायुद्धः ईरान ने दागी डांसिंग मिसाइल, सेजिल के प्रहार से दहला अमेरिका और इजरायल

एजेंसी। तेहरान

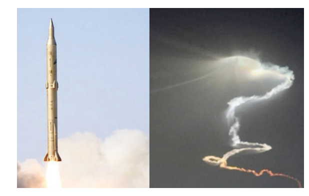

ईरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ जारी भीषण संघर्ष में पहली बार अपनी सबसे खतरनाक सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल कर युद्ध को एक नए और विनाशकारी मोड़ पर ला खड़ा किया है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान से बिना शर्त सरेंडर की मांग कर रहे हैं, वहीं तेहरान ने घुटने टेकने के बजाय अपने सबसे घातक हथियारों के मुंह खोल दिए हैं। ईरान के इस ताजा हमले में अरब देशों में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को व्यापक नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। ईरान की इस मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल सेजिल-2 को रक्षा गलियारों में डांसिंग मिसाइल के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अत्यधिक ऊंचाई पर जाकर अपनी दिशा बदलने में सक्षम है, जिससे इजरायल के आयरन डोम जैसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देना इसके लिए आसान हो जाता है। दो चरणों वाले ठोस ईंधन (सॉलिड-फ्यूल) से चलने वाली यह मिसाइल लगभग 2000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। ठोस ईंधन आधारित डिजाइन होने के कारण इसे बेहद कम समय में लॉन्च के लिए तैयार किया जा सकता है, जो इसे पुराने तरल ईंधन वाले सिस्टम की तुलना में रणनीतिक बढ़त देता है। मिसाइल के तकनीकी पक्ष को देखें तो लगभग 18 मीटर लंबी और 23,600 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल करीब 700 किलोग्राम का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी रफ्तार मैक 4 से मैक 5 (6000 किमी प्रति घंटा से अधिक) तक पहुंच सकती है। तुलनात्मक रूप से देखें तो रेंज और मारक क्षमता के मामले में इसे कई मायनों में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से भी अधिक घातक माना जा रहा है। जहां अमेरिका टॉमहॉक जैसी मिसाइलों से ईरान पर हमले कर रहा है, वहीं ईरान के शाहेद ड्रोन और अब सेजिल मिसाइल ने सहयोगी सेनाओं की नाक में दम कर रखा है।

फरवरी में बढ़त के साथ 11 महीने में महंगाई शीर्ष पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें हुई महंगी

एजेंसी। नई दिल्ली

खुदरा महंगाई के अब थोक महंगाई की दर में भी तेज उछाल दिख रहा है। फरवरी में यह बढ़त के साथ 11 महीने के शीर्ष पर पहुंच गई है। उपभोक्ता मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 2.13 फीसदी पहुंच गई। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई में उछाल आया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि थोक महंगाई लगातार चौथे महीने बढ़कर फरवरी में 2.13 फीसदी हो गई है, जिसमें खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण रही। हालांकि, सब्जियों की कीमतें महीने दर महीने कम हुई हैं, लेकिन अन्य उत्पादों के दाम बढ़ने से थोक महंगाई पर इसका असर दिखा। जनवरी में थोक महंगाई की दर 1.81 फीसदी थी और पिछले साल फरवरी महीने में 2.45 फीसदी थी। हालांकि, पिछले साल के मुकाबले अभी यह थोड़ी नीचे है लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा हालात को देखते हुए जल्द ही इस स्तर को भी पार कर जाएगी। उद्योग मंत्रालय ने बताया कि फरवरी 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, मूल धातुओं के निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई दर फरवरी में 2.19 फीसदी रही, जबकि पिछले महीने यह 1.55 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर फरवरी में घटकर 4.73 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 6.78 फीसदी थी। सब्जियों में भले ही नरमी दिख रही है लेकिन दाल, आलू और अंडा, मांस और मछली में फरवरी में पिछले महीने की तुलना में ज्यादा महंगाई देखी गई। निर्मित उत्पादों के मामले में, थोक महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 2.92 फीसदी हो गई, जबकि पिछले महीने यह 2.86 फीसदी थी। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 8.80 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 7.58 फीसदी थी. ईंधन और बिजली की टोकरी में नकारात्मक महंगाई या डिफ्लेशन फरवरी में 3.78 फीसदी रही, जबकि जनवरी में यह 4.01 फीसदी थी।

चयनित उम्मीदवारों को यूपीएससी की एडवाइजरीः सोशल मीडिया पर आत्म-प्रचार से बचें

नई दिल्ली। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में चयनित उम्मीदवारों के लिए एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने अभ्यर्थियों को सोशल मीडिया पर आत्म-प्रचार, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और व्यावसायिक गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी है। यूपीएससी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि सिविल सेवा में चयनित उम्मीदवारों को सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार और संतुलित आचरण बनाए रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर किया गया कोई भी अव्यवसायिक या अनुचित पोस्ट न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि बल्कि सेवा और संस्थान की प्रतिष्ठा को भी प्रभावित कर सकता है। यूपीएससी के अनुसार, सिविल सेवा में चयन एक सार्वजनिक दायित्व है और इससे जुड़े अधिकारियों से उच्च नैतिक मानकों और पेशेवर व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि चयनित उम्मीदवारों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और ऐसे किसी भी कंटेंट से बचना चाहिए जो सेवा की निष्पक्षता, गोपनीयता या गरिमा पर सवाल खड़ा कर सकता हो।

ख़ास ख़बर

केवी और नवोदय विद्यालयों में 13 हजार से अधिक शिक्षकों के पद खाली : शिक्षा मंत्रालय

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों (केवी) और जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) में 13,701 शिक्षकों के पद खाली हैं। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केवीएस में 8,618 और एनवीएस में 5,083 शिक्षकों के पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि नए केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों के खुलने, कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने, इस्तीफे, पदोन्नति, तबादले और अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर जाने और स्कूलों के अपग्रेड होने की वजह से समय-समय पर रिक्तियां उत्पन्न होती रहती हैं। खाली पदों को भरना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और केवीएस और एनवीएस के संबंधित भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार इन पदों को भरने की कोशिश की जाती है। मंत्री ने बताया कि केवीएस और एनवीएस द्वारा कुछ समय के लिए अनुबंध के आधार पर भी टीचर रखे जाते हैं, ताकि पढ़ाई-लिखाई की प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। रेगुलर टीचरों की भर्ती जल्द से जल्द करने की कोशिश की जाती है, ताकि छात्रों के हितों को कोई नुकसान न पहुंचे। पिछले कुछ सालों में केवी और एनवी द्वारा लगातार हासिल किए गए ऊंचे रिज़ल्ट साफ़ तौर पर दिखाते हैं कि पढ़ाई के स्तर और छात्रों के प्रदर्शन को ठीक से बनाए रखा गया है और उनके साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 में प्रत्यक्ष भर्ती के लिए केवीएस ने 8,714 और एनवीएस ने 5,045 शिक्षकों के पदों के लिए अधिसूचना जारी की थी। मंत्री ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्रीय विद्यालय संगठन को वेतन, सामान्य व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान के रूप में 9,503.84 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता प्रदान की गई है।

मानहानि मामले में प्रिया रमानी के खिलाफ एमजे अकबर की याचिका पर अंतिम सुनवाई 24 सितंबर को

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर की उस याचिका पर 24 सितंबर को अंतिम सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने पत्रकार प्रिया रमानी के खिलाफ दायर मानहानि याचिका को खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के सभी रिकॉर्ड मिल गए हैं और दोनों पक्षों की ओर से लिखित दलीलें दाखिल कर दी गई हैं। ऐसे में अंतिम सुनवाई 24 सितंबर को की जाएगी। कोर्ट ने 11 अगस्त, 2021 को प्रिया रमानी को नोटिस जारी किया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 17 फरवरी, 2021 को एमजे अकबर के मानहानि के केस को खारिज करते हुए प्रिया रमानी को बरी कर दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने प्रिया रमानी को बरी करते हुए कहा था कि किसी महिला को दशकों के बाद भी अपनी शिकायत रखने का हक है। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि यौन प्रताड़ना किसी की गरिमा और स्वाभिमान को चोट पहुंचाते हैं। छवि का अधिकार गरिमा के अधिकार की रक्षा नहीं कर सकता है। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि किसी महिला को दशकों के बाद भी अपनी शिकायत रखने का हक है। कोर्ट ने पौराणिक उल्लेख करते हुए कहा था कि सीता की रक्षा में जटायु आए थे। कोर्ट ने फैसले में महाभारत का भी जिक्र किया है। कोर्ट ने कहा था कि भारत में महिलाओं को बराबरी मिलनी चाहिए। संसद ने महिलाओं की रक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं। एमजे अकबर ने 15 अक्टूबर, 2018 को प्रिया रमानी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

जेफ्री एपस्टीन मामले में हिमायनी पुरी ने दायर किया 10 करोड़ का मानहानि मुकदमा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर कर नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का अंतरराष्ट्रीय रैकेट चलाने के मामले में कुख्यात जेफ्री एपस्टीन से उसका नाम जोड़ने वाले कंटेंट हटाने की मांग की है। उच्च न्यायालय इस याचिका पर 17 मार्च को सुनवाई कर सकता है। हिमायनी पुरी ने खुद की छवि को बदनाम करने की एवज में 10 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। हिमायनी ने कहा है कि 22 फरवरी से पूरी दुनिया के विभिन्न आनलाइन प्लेटफार्म और विभिन्न अनजाने सोशल मीडिया पर उसका नाम कुख्यात एपस्टीन से जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स, गूगल, मेटा और लिंक्डइन इत्यादि पर उनको बदनाम करने वाले कंटेंट डाले गए हैं। इन आनलाइन कंटेंट में कहा जा रहा है कि हिमायनी पुरी रियल पार्टनर्स एलएलसी में काम करती थी। उस समय एपस्टीन और उसके सहयोगी रियल पार्टनर्स एलएलसी को फंडिंग करते थे। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता के खिलाफ ये आरोप इसलिए लगाए जा रहे हैं, क्योंकि वो केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी हैं, जो पहले इंडियन फॉरेन सर्विस में काम कर चुके हैं और अभी केंद्रीय कैबिनेट में एक वरिष्ठ पद पर हैं। कंटेंट में ये भी आरोप लगाया गया है कि रॉबर्ट मीलार्ड नामक व्यक्ति ने पुरी के साथ मिलकर लेहमैन ब्रदर्स के पतन की साजिश रची थी। हिमायनी पुरी ने कहा है कि ऑनलाइन कंटेंट में लगाए गए आरोप झूठ और तथ्यहीन हैं।

"ज्ञान वृद्धि कार्यक्रम" के अंतर्गत ICSI–NIRC में आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन

» स्थानः ICSI–NIRC, बिल्डिंग प्लॉट नं. 4, प्रसाद नगर

लोकतंत्र की शान

"ज्ञान वृद्धि कार्यक्रम" के अंतर्गत, इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) की नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (NIRC) की अध्यक्षा श्री संतोष पांडे द्वारा ICSI–NIRC में संस्थान के सदस्यों के लिए एक आत्मरक्षा (Self Defence) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा प्रतिभागियों को आवश्यक आत्मरक्षा कौशल से सुसज्जित करना था। इस अवसर पर एसीपी लक्ष्मी दुबे ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आत्मरक्षा, परिस्थितिजन्य जागरूकता तथा असुरक्षित परिस्थितियों से निपटने में आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को सतर्क रहने, अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध आपातकालीन हेल्पलाइन के माध्यम से तुरंत सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान SPUWAC के सेल्फ डिफेन्स विंग के प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे प्रतिभागियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए सरल और प्रभावी तरीकों को सीखने का अवसर मिला।

इस अवसर पर सुश्री अंजीथा चेप्याला, आईपीएस, डीसीपी/SPUWAC ने कहाः "दिल्ली पुलिस जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण महिलाओं में आत्मविश्वास, तैयारी और कठिन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करता है। ऐसे कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करते हैं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।" कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता तथा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना की।

(अंजीथा चेप्याला),
आईपीएस
पुलिस उपायुक्त
SPUWAC एवं
SPUNER, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट की। इस अवसर पर राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा बुनियादी ढांचे के विस्तार और 'आयुष्मान भारत' जैसी लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। श्री शर्मा ने कहा कि 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में यह सहयोग अत्यंत प्रेरणादायी है।

श्री खाटू श्याम धार्मिक बस यात्रा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। खाटू धाम के दर्शन अब हर भक्त के लिए और भी आसान हो गए हैं। राजधानी दिल्ली से खाटू श्याम जी के दरबार तक भक्तों को पहुँचाने के लिए श्री राधेश्याम मित्र मंडल, दिल्ली ने विशेष धार्मिक बस यात्रा शुरू की है। इस सेवा के अंतर्गत श्रद्धालु मात्र 100 में बाबा श्याम के पावन धाम के दर्शन कर सकेंगे।

गीता कॉलोनी से होगी यात्रा की शुरुआत–यह बस यात्रा दिल्ली के गीता कॉलोनी से रवाना होगी। जो भी भक्त इसमें सम्मिलित होना चाहता है, वह पहले से आयोजकों से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकता है। नाम दर्ज होने के बाद प्रत्येक भक्त के नाम से बाबा श्याम जी के दरबार में पूजा-अर्चना और दर्शन सुनिश्चित किए जाएँगे।

यात्रा के दौरान पूरी व्यवस्था–इस यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए नाश्ता, भोजन-पीना और ठहरने की सुविधा भी श्री राधेश्याम मित्र मंडल की ओर से की जाएगी। मंडल का कहना है कि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए सारी व्यवस्थाएँ सेवा भाव से उपलब्ध कराई जाएँगी।

खरगे ने कहा- देश में एलपीजी संकट मोदी सरकार के दयनीय प्रबंधन और खराब विदेश नीति की पोल खोल रहा

लोकतंत्र की शान, जीशान अली

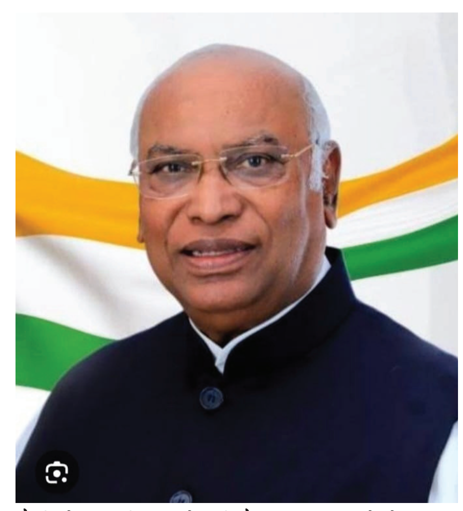

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश में बढ़ता एलपीजी संकट मोदी सरकार के दयनीय प्रबंधन के साथ-साथ खराब विदेश नीति और ऊर्जा नीति की भी पोल खोल रहा है। उन्होंने मांग की कि एलपीजी की स्थिर, सुलभ और किफायती उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मुद्दे पर संसद में चर्चा कराई जाए। संसद में सोमवार को मोदी सरकार के कु-प्रबंधन से जनता को हो रही परेशानियों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि एलपीजी संकट से पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जब सरकार ने ईरान में भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी, तब उसे यह भी पता था कि महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार को संभावित संकट की जानकारी थी, तो अग्रिम योजना और वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? उन्होंने यह भी पूछा कि इस मुद्दे पर समन्वित प्रतिक्रिया देने एवं जनता की चिंता कम करने के लिए विपक्ष और देश को भरोसे में क्यों नहीं लिया गया? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस संकट का सबसे अधिक असर गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों, छोटे ढाबों, रेस्तरां, हॉस्टलों, छोटे एवं मध्यम उद्योगों तथा अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। एलपीजी सिलेंडर न मिलने से सामुदायिक रसोई और राम रसोई जैसी सेवाएं भी बंद हो रही हैं। कई प्रतिष्ठानों ने अपना परिचालन सीमित कर दिया है या उन्हें बंद करना पड़ा है। कालाबाजारी की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर सिलेंडर पांच हजार रुपये से अधिक कीमत पर बिक रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में पेट्रोलियम मंत्री के उस दावे पर भी सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है।

ADGPIPS के छात्रों ने रचा इतिहास अर्चिता जैन मोहम्मद शुएब और सूरज कुमार पांडेय ने गोल्ड मेडल जीते

लोकतंत्र की शान

सूरज कुमार पांडेय मैकेनिकल इंजीनियरिंग

मोहम्मद शुआइब सिविल इंजीनियरिंग

अर्चिता जैन, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग

नई दिल्ली। डा. अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज (ADGIPS), नई दिल्ली के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि संस्थान के छात्रों ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (GGSIPU), नई दिल्ली की विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन विश्वविद्यालय गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं। संस्थान ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSE), सिविल इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ME) शाखाओं में यह उपलब्धि हासिल की है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से अर्चिता जैन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से सूरज कुमार पांडेय तथा सिविल इंजीनियरिंग से मोहम्मद शुएब ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किए और संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। वर्ष 2003 में स्थापना के बाद से अब तक संस्थान द्वारा कुल 49 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त किए जा चुके हैं, जो संस्थान की निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टा का सशक्त प्रमाण है। यह संस्थान माननीय चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता जी के सशक्त नेतृत्व, दूरदर्शी सोच तथा सतत मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उनके कुशल मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संस्थान छात्रों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा उच्च शैक्षणिक मानकों की स्थापना की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। संस्थान के माननीय अध्यक्ष श्री विराज सागर दास जी ने सभी स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि संस्थान के लिए अत्यंत गौरव का विषय है और आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भी विद्यार्थी और अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त कर संस्थान तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। छात्रों ने इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को देते हुए उनके निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर छात्रों के अभिभावकों ने भी संस्थान के उच्च योग्य एवं समर्पित शिक्षकों, उनकी आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, शैक्षणिक अनुशासन तथा निरंतर प्रोत्साहन की सराहना की, जिसके कारण छात्र विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

सुप्रीम कोर्ट 12वीं के बाद लॉ के चार वर्षीय कोर्स की मांग पर अप्रैल में करेगा सुनवाई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय बीटेक के चार वर्षीय कोर्स की तरह लॉ के चार वर्षीय कोर्स की संभावना तलाशने के लिए लीगल एजुकेशन कमीशन स्थापित करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले पर अप्रैल में सुनवाई करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श की जरुरत है। न्यायपालिका केवल एक पक्ष है। शिक्षाविद्, विधि विशेषज्ञ, बार और नीति के जुड़े शोधकर्ता भी हैं। ऐसे विषयों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। हम अपने विचार थोप नहीं सकते। यह याचिका वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। इसके पहले अश्विनी उपाध्याय ने दिल्ली उच्च न्यायालय में भी याचिका दायर की थी। मई, 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को ये निर्देश दे कि नई शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक पांच वर्षीय लॉ कोर्स को डिजाइन किया जाए। इसके लिए पूर्व जजों, न्यायविदों और शिक्षाविदों की एक समिति का गठन किया जाए, तो ये पड़ताल करे कि पांच वर्षीय लॉ कोर्स को चार वर्षीय कोर्स बनाया जा सके। याचिका में कहा गया है कि बीए, बीबीए, बीकॉम सभी लॉ की तरह की ग्रेजुएशन के कोर्स हैं। ऐसे में पांच वर्षीय एलएलबी की जगह चार वर्षीय एलएलबी कोर्स को डिजाइन किया जाए। याचिका में कहा गया है कि नई शिक्षा नीति 2020 में चार वर्षीय ग्रेजुएशन कोर्स की बात की गई है, लेकिन बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने न तो पांच वर्षीय एलएलबी कोर्स की समीक्षा की और न ही चार वर्षीय एलएएलबी कोर्स शुरु किया।

छात्र-कार्यकर्ताओं की हिरासत से जुड़े सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वो सामाजिक कार्यकर्ताओं के हालिया हिरासत से संबंधित स्पेशल सेल के परिसर के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित रखे। जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा कि आप क्या जांच कर रहे हैं ये हमें नहीं पता, लेकिन नियम-कायदों का पालन कीजिए। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान सोमवार को एक सामाजिक कार्यकर्ता रुद्र विक्रम के वकील जसदीप ढिल्लो ने कहा कि इस मामले में बाकी कार्यकर्ताओं को 14 मार्च को रिहा किया गया जबकि रुद्र को 15 मार्च की सुनवाई के बाद छोड़ा गया। ढिल्लो ने कहा कि रुद्र को हिरासत के दौरान प्रताड़ित किया गया। उसके हाथ, पैर, चेहरे और प्राइवेट पार्ट पर हमला किया गया। रुद्र का मेडिकल चेक अप कराने के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश देने की मांग की। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को पूछताछ के लिए बुलाया गया था लेकिन वे नहीं आए। तब कोर्ट ने कहा कि आपके पास अधिकार है। हम ये नहीं जानते कि आप क्या जांच कर रहे हैं, लेकिन आप जो भी करना चाहते हैं वे नियम-कायदों के मुताबिक करें। तब दिल्ली पुलिस ने कहा कि हम कोर्ट को आश्वासन देना चाहते हैं कि सब कुछ नियम-कायदों से ही होगा। दिल्ली पुलिस ने 15 मार्च को कहा था कि अवैध हिरासत में रखे गए सामाजिक कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया है। तब कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर पूछा था कि उन्होंने किस आधार पर और किन परिस्थितियों में इन कार्यकर्ताओं को हिरासत में रखा। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के संबंधित इलाके का सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने का आदेश दिया था। 15 मार्च को तीन कार्यकर्ताओं एहसानुल हक, राजबीर और सागरिका राजौरा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई की थी। वकील शाहरुख आलम ने 14 मार्च को चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मेंशन करते हुए इन याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई करने का आदेश दिया था। सागरिका राजोरा ने अपनी बहन लक्षिता राजोरा को कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि लक्षिता राजोरा 13 मार्च की शाम से दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास विजय नगर इलाके से लापता थीं और उसका फोन भी बंद था। याचिका में कहा गया था कि वो विजय नगर इलाके में एक छात्र संगठन के दफ्तर गई। 13 मार्च के शाम आठ बजे के बाद से लक्षिता राजोरा का मोबाइल फोन बंद था। याचिका में कहा गया था कि लक्षिता राजोरा छात्र संगठन के जिस दफ्तर में गई थी उस दफ्तर में मौजूद कई लोगों का शाम आठ बजे से कोई अता-पता नहीं है। याचिका में आशंका जताई गई थी कि लक्षिता राजोरा को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने उठा लिया है। याचिका में कहा गया था कि करीब आठ महीने पहले लक्षिता राजोरा और उसके साथियों को अवैध रुप से हिरासत में रखा गया था। उस दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते तक अवैध रुप से हिरासत में प्रताड़ित किया गया था और एक हफ्ते बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया था।

सीएआरए के दत्तक ग्रहण प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए निर्देश जारी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन वैधानिक निकाय केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने देश में गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण कार्यालय ज्ञापन जारी किए हैं।मंत्रालय के अनुसार निर्देश सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 'राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों' को भेजे गए हैं जिनका मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा और अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव सुनिश्चित करना है। सीएआरए ने स्पष्ट किया है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 (संशोधित 2021) के तहत किसी भी बच्चे को गोद लेने के लिए 'कानूनी रूप से स्वतंत्र' घोषित करने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अनिवार्य है। अनाथ बच्चों के मामले में उचित जांच-पड़ताल और उनके माता-पिता का पता लगाने के प्रयासों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना होगा। आत्मसमर्पण किए गए बच्चों के लिए अधिनियम के तहत निर्धारित दो महीने की अनिवार्य पुनर्विचार अवधि का सख्ती से पालन करना होगा। उसके बाद ही उन्हें गोद लेने की श्रेणी में रखा जा सकेगा। दत्तक ग्रहण एजेंसियां (एसएए) या बाल देखभाल संस्थान (सीसीआई) बंद होने या विलय होने की स्थिति में बच्चों के रिकॉर्ड खो जाते हैं। इसलिए सीएआरए ने निर्देश दिया है कि संस्थान की परिचालन स्थिति जो भी हो रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी बनी रहेगी। अभिलेखों को नष्ट करना या फेंकना कानूनन अपराध है। तीसरे निर्देश में किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 का हवाला देते हुए बच्चों की पहचान उजागर करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। किसी भी बच्चे की तस्वीर, वीडियो या पहचान संबंधी जानकारी सोशल मीडिया या किसी भी सार्वजनिक मंच पर साझा नहीं की जा सकती। गोपनीयता भंग करने वाले अधिकारियों या संस्थानों के विरुद्ध धारा 74(3) के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों के माध्यम से सीएआरए का लक्ष्य दत्तक ग्रहण प्रणाली में जवाबदेही तय करना और बच्चों की गरिमा एवं अधिकारों को सुरक्षित करना है।

संक्षिप्त समाचार

दर्जनों लोगों ने सपा छोड़कर AIMIM की ली सदस्यता

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः सोमवार को क्षेत्र के एक गांव में दर्जनों लोगों ने समाजवादी पार्टी छोड़कर एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण कर ली, सोमवार को क्षेत्र के कोरारा गांव में मजलिस ए इत्तेहादूल मुस्लिमीन की एक बैठक मजलिस के प्रदेश महामंत्री एवं हापुड़ बिजनौर प्रभारी हाजी शहजाद खान एडवोकेट एवं हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष छुनन्न अल्वी के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमें गांव के दर्जनों निवासियों ने मजलिस की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी को छोड़कर मजलिस की सदस्यता ग्रहण की, हाजी शहजाद खान एवं छुनन्न अल्वी द्वारा सभी को सदस्यता ग्रहण करा कर एवं फूलमाला पहनकर उनका स्वागत किया गया, पार्टी अधिकारियों द्वारा नाजिर कस्सार को गंगेश्वरी ब्लॉक अध्यक्ष, शाहरुख सैफी को विधानसभा महासचिव, मोहम्मद नासिर कस्सार को विधानसभा मुख्य महासचिव मनोनीत किया गया, वही सदस्यता ग्रहण करने वालों में मोहम्मद फिरोज कस्सार, मोहम्मद वसीम कस्सार,अकरम कस्सार, हाजी अकरम सैफी, हाजी सत्तार अल्वी, डॉक्टर सलीम मलिक, डॉक्टर नहीम कस्सार,आसिफ कस्सार, माजिद कस्सार, जाकिर मलिक, मुकीस कस्सार, रफीक कस्सार, वहीद कस्सार, उस्मान मलिक, डॉक्टर बादशाह कस्सार आदि लोग शामिल रहे वहीइस मौके पर कदीर कुरेशी, शोएब चौधरी, हाफिज आसिफ कस्सार कदीर कुरैशी आदि पदाधिकारी गढ़ मौजूद रहे ।

भरभरा कर गिरी दीवार, यूकेजी के छात्र की दव कर मौत, परिवार में मचा कोहराम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः रविवार श्याम को कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव रुद्रपुर में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। घर के पास खेल रहे 8 वर्षीय मासूम छात्र की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर मौत हो गई। इस हादसे के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रुद्रपुर निवासी राहुल राणा का 8 वर्षीय पुत्र अश्वनी रविवार देर शाम अपने घर के पास ही खेल रहा था। इसी दौरान अचानक एक दीवार भरभरा कर मासूम के ऊपर गिर गई। अश्वनी दीवार के मलबे में बुरी तरह दब गया। शोर सुनकर आस-पास के लोग और परिजन मौके पर दौड़े और कड़ी मशक्कत के बाद उसे मलबे से बाहर निकाला। परिजन गंभीर रूप से घायल अश्वनी को तुरंत हसनपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद छात्र की नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर मेरठ जा ही रहे थे कि रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि अश्वनी एक निजी विद्यालय में यूकेजी का छात्र था और अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत से छोटे भाई तनिष और मां लज्जावती का बुरा हाल है। देर रात गमगीन माहौल में बिना किसी कानूनी कार्रवाई परिजनों द्वारा मासूम का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस संबंध में हसनपुर कोतवाल राजेश कुमार तिवारी का कहना है कि पुलिस को अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक सूचना या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत में सजेगी राम नगरी एयरपोर्ट से राम मंदिर तक 20 सांस्कृतिक मंच

लोक तंत्र की शान : अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 19 मार्च के प्रस्तावित दौरे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देश पर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन, संस्कृति विभाग और विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से पूरे शहर को भव्य और सांस्कृतिक स्वरूप में सजाया जा रहा है, ताकि राष्ट्रपति का पारंपरिक और गरिमामय स्वागत किया जा सके।

एयरपोर्ट से राम मंदिर तक होगा भव्य स्वागत–सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि संस्कृति विभाग के प्रयास से एयरपोर्ट से राम मंदिर गेट तक भव्य स्वागत का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर की सड़कों पर करीब 20 सांस्कृतिक मंच सजाए जाएंगे, जहां लगभग ढाई सौ कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

250 कलाकार देंगे रामायण आधारित प्रस्तुतियां–उन्होंने बताया कि इन मंचों पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकार रामायण आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रमों में स्वागत गीत, भजन, बधावा, अवधी लोकगायन, लोकनृत्य और राम भक्ति से जुड़े पारंपरिक कार्यक्रम शामिल होंगे। राष्ट्रपति के स्वागत मार्ग पर रोड के दोनों ओर इन मंचों को स्थापित किया जाएगा, जिससे पूरा रास्ता भक्ति और संस्कृति की ध्वनि से गूंज उठेगा।

अयोध्या की परंपरागत संस्कृति की झलक–अयोध्या की परंपरागत संस्कृति को दर्शाने के लिए रामलीला अंश प्रस्तुति, अवधी लोकनृत्य, झांकी, ढोल-नगाड़ा, शंखनाद, वेदपाठ और भजन संकीर्तन जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से अयोध्या की प्राचीन धार्मिक, वैदिक और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक दिखाई जाएगी।

शराब सेल्समैन से लूट व हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार, नकदी, बैग एवं डंडे बरामद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को हसनपुर पुलिस ने 10 मार्च की रात हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में देसी शराब के ठेके के सेल्समैन के साथ हुई लूट एवं हमले के तीन आरोपियों को पड़कर मामले का खुलासा कर दिया, जिसमें पुलिस ने तीन आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है, आरोपियों के कब्जे से लूटी गई नगदी, बैग एवं डंडे बरामद हुए हैं, बताते चलें कि यह घटना 10 मार्च की रात हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव करनखाल में देसी शराब के ठेके पर सेल्समैन भरत कुमार पुत्र बभूकन शरण के साथ दुकान बंद कर बाइक से अपने घर लौटते वक्त हुई, घटना करनखाल गांव पारकर पुलिया के समीप पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने

उन्हें रोककर की, बदमाशों ने भरत कुमार पर लाठी डंडों से ताबड़तोड़ हमला किया था जिससे वह लहु लूहान होकर सड़क पर गिर पड़े थे, वारदात के बाद बदमाश उनकी जेब से नकदी लूटकर मौके से फरार हो गए थे, घटना की सूचना रहागीरों द्वारा मिलने पर परिजन और पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे थे, वहीं घायल भरत कुमार को हसनपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेरठ हायर सेंटर रेफर कर दिया था, घटनास्थल का एसपी अमित कुमार आनंद और एडिशनल एसपी अखिलेश भदोरिया ने भी मौका मुआयना किया था, वहीं पुलिस ने इस मामले में मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था, तथा सोमवार को पुलिस ने इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों जिसमें अल्फेज पुत्र असलम मोहल्ला कायस्थान, राहिल उर्फ बाबू पुत्र रशीद मोहल्ला चामुंडा रोड, शहबाज उर्फ मोनू पुत्र मोहम्मद हारुन मोहल्ला पूठ अड्डा कालाशहीद तथा एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे हुए 16000 रुपए एक बैग और दो लकड़ी के डंडे बरामद किए हैं, गिरफ्तार करने वाली टीम में अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, हेड कांस्टेबल सचिन कुमार, रजनीश कुमार, अतुल कुमार और दीपेश कुमार शामिल रहे ।

संभल को खूबसूरत बनाने में जुटे चौधरी मुशीर अली खान, वाल्मीकि बस्ती में सड़क कार्य का किया निरीक्षण

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। शहर के विकास को नई दिशा देने वाले जनप्रिय नेता चौधरी मुशीर अली खान आज वार्ड नंबर 9 स्थित वाल्मीकि बस्ती में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्य की गुणवत्ता और गति के बारे में जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य पूरी मजबूती और समय पर पूरा किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। स्थानीय लोगों ने भी चौधरी मुशीर अली खान का स्वागत करते हुए कहा कि संभल शहर में जितना विकास उनके प्रयासों से हुआ है, उतना पहले कभी देखने को नहीं मिला। शहर की सड़कों, गलियों और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाकर उन्होंने संभल की तस्वीर ही बदल दी है। चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि उनका उद्देश्य संभल के हर वार्ड और हर मोहल्ले तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी संभल में और तेज़ी से विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे शहर और भी सुंदर और सुविधाजनक बनेगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि चौधरी मुशीर अली खान के प्रयासों से संभल शहर लगातार खूबसूरत और विकसित होता जा रहा है और आने वाले समय में यहां विकास की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है।

दिल्ली में मुतवल्ली चौधरी सैय्यद सीरत उरूज आलम नक़वी ने ईरान के रहबर-ए-इंक़लाब सैय्यद अली ख़ामेनाई की शहादत पर जताया गहरा दुख

» शोक डायरी में दर्ज किए जज़्बात, कहा- मज़लूमों की आवाज़ हमेशा जिंदा रहेगी

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

नई दिल्ली / सिरसी : सिरसी के मुतवल्ली जनाब चौधरी सैय्यद सीरत उरूज आलम नक़वी ने आज नई दिल्ली में इस्लामी गणराज्य ईरान के सर्वोच्च नेता रहबर-ए-इंक़लाब सैय्यद अली हुसैनी ख़ामेनाई के नुमाइंदे से मुलाकात कर उनकी शहादत पर गहरा दुख और अफसोस व्यक्त किया। इस मौके पर चौधरी सैय्यद सीरत उरूज आलम नक़वी ने शोक डायरी में अपने जज़्बात दर्ज करते हुए लिखा कि रहबर-ए-इंक़लाब सैय्यद अली ख़ामेनाई की शहादत पूरी उम्मत-ए-मुस्लिमह के लिए एक बहुत बड़ा सदमा है। उन्होंने कहा कि आयतुल्लाह ख़ामेनाई सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के मज़लूमों की आवाज़ थे और उनका पैग़ाम इंसाफ, हक़ और इंसानियत के लिए संघर्ष करने वालों को हमेशा राह दिखाता रहेगा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ऐसी अज़ीम शख्सियतें किसी एक मुल्क तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए उम्मीद और हौसले का पैग़ाम होती हैं। चौधरी सैय्यद सीरत

उरूज आलम नक़वी ने कहा कि रहबर-ए-इंक़लाब का मिशन—मज़लूमों की हिमायत, इंसाफ और अमन का पैग़ाम—हमेशा ज़िंदा रहेगा और दुनिया भर के लोग उनके विचारों से प्रेरणा लेते रहेंगे। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने चौधरी सैय्यद सीरत उरूज आलम नक़वी की इस पहल और उनके जज़्बात को क़ाबिले-तारीफ बताते हुए कहा कि उन्होंने न सिर्फ सिरसी बल्कि पूरे समाज की भावनाओं को बखूबी पेश किया है।

नजीबाबादः हीरा इंटरनेशनल स्कूल के छात्र मोहम्मद तल्हा ने 100 में 100 अंक हासिल कर किया टॉप, परिवार और स्कूल का बढ़ाया मान

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के चारबाग स्थित हीरा इंटरनेशनल स्कूल के एल.के.जी कक्षा के छात्र मोहम्मद तल्हा, जो कि पत्रकार नसीम उस्मानी के पुत्र हैं, ने अपनी मेहनत और लगन से शानदार उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में हुए मूल्यांकन में मोहम्मद तल्हा ने 100 में से पूरे 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया और अपने माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन किया। इतनी छोटी कक्षा में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना यह दर्शाता है कि मोहम्मद तल्हा पढ़ाई में बेहद होनहार और मेहनती छात्र हैं। उनकी इस सफलता से विद्यालय के शिक्षकों और परिवार में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर स्कूल के प्रिंसिपल आदिल खान और क्लास टीचर ने मोहम्मद तल्हा को मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया। विद्यालय के डायरेक्टर मौलाना ईशा ने कहा कि मोहम्मद तल्हा जैसे प्रतिभाशाली बच्चे ही देश का भविष्य हैं। इतनी छोटी उम्र में इतनी शानदार सफलता पाना उनकी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। वहीं प्रिंसिपल आदिल खान ने कहा कि तल्हा विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों में से एक हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे स्कूल को गर्व है और हमें उम्मीद है कि वह आगे भी इसी तरह सफलता हासिल

करेंगे। परिवार के लोगों ने भी इस सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि मोहम्मद तल्हा आगे भी इसी तरह मेहनत कर जीवन में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

गैस होम डिलीवरी सुनिश्चित किए जाने को लेकर परिषद ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में गैस वितरण में हो रही परेशानी को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के कार्यकर्ताओं ने गैस की होम डिलीवरी सुनिश्चित किए जाने को लेकर हसनपुर उप जिलाधिकारी के कार्यालय पर पहुंचकर एसडीम हिमांशु उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन के माध्यम से उप जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि गैस की होम डिलीवरी नहीं हो रही है तथा गैस एजेंसी एवं गोदाम पर भारी भीड़ लगी रहती है, वहीं अधिकारियों द्वारा गैस की होम डिलीवरी किए जाने को लेकर दावा किया जा रहा है जो खोखले साबित हो रहे हैं जिसकी हकीकत रविवार को उपभोक्ताओं द्वारा हसनपुर गैस एजेंसी पर किए गए रोड जाम एवं लंबी लाइनें को देखकर ही लगाई जा सकती है, साथ ही नगर में होटलो, ढाबो, ठेले वालों पर घरेलू गैस प्रयोग की जा रही है जिसकी जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई, साथ ही नगर में एजेंसी संचालकों द्वारा गैस बुक करने के बाद 1 महीने की तारीख दी जा रही है जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हो रही है,

जिसे लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के कार्यकर्ताओं ने जल्द ही होम डिलीवरी सुनिश्चित किए जाने एवं होटल ठेले ढाबो आदि पर घरेलू गैस सिलेंडरों की चेकिंग किए जाने की मांग करते हुए उपभोक्ताओं को राहत पहुंचने की मांग की है, वही इस संबंध में उप जिला अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने बताया कि अधिकारियों की टीम बनाई गई है तथा रोजाना टीम द्वारा होम डिलीवरी सुनिश्चित कराई जा रही है एवं होटल ढाबो आदि पर घरेलू गैस के सिलेंडरों की चेकिंग भी की जाएगी, वही उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी निर्बाध रूप से जारी है । इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट, प्रदेश प्रभारी अनुपम त्यागी, मनोज गोयल प्रदेश सचिव,जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा डॉक्टर पूजा चौधरी, जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा, टेकचंद सिंह एडवोकेट राष्ट्रीय प्रवक्ता, गिरीश पाल सिंह, नन्हे सिंह सैनी एडवोकेट प्रदेश संगठन मंत्री, कविता सैनी प्रदेश सचिव, सरफराज एडवोकेट तहसील अध्यक्ष, जाकिर हुसैन एडवोकेट तहसील सचिव एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

भाजपा की 'बी-टीम' पर मजलिस का वारः कांग्रेस और सपा को ठहराया जिम्मेदार

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भलः मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (मजलिस) के युवा प्रकोष्ठ के संभल (उत्तर प्रदेश) के जिलाध्यक्ष नूर मोहम्मद पाशन ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के बाद देश की जनता के सामने यह साफ हो गया है कि आखिर भाजपा की असली "बी-टीम" कौन है। नूर मोहम्मद पाशन ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के तीन विधायकों ने मतदान ही नहीं किया, जिससे सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को फायदा पहुंचा। वहीं राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के एक विधायक भी वोटिंग के समय नहीं पहुंचे, जिससे

भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सभी पांच विधायकों ने भाजपा को रोकने के लिए आरजेडी उम्मीदवार का समर्थन किया और अपना वोट दिया। इससे यह साबित होता है कि मजलिस केवल किसी एक वर्ग की नहीं बल्कि सर्व समाज की आवाज है और हमेशा जनहित की राजनीति करती है।

सिधौली विधानसभा के सभी मंडलों का मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

लोक तंत्र की शान , देवेंद्र सिंह

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत मंडल प्रशिक्षण निरंतर प्रचलित हैं इसी क्रम में सिधौली विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों क्रमशः अटरिया ,सिधौली कसमंडा का मंडल स्तरीय प्रशिक्षण का प्रथम सत्र आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश के महामंत्री व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनूप गुप्ता उपस्थित रहे जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला व विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक मनीष रावत उपस्थित रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का मिशन है कि हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता पूर्ण रूप से प्रशिक्षित हो जिससे वह अनुशासन का पालन करते हुए पार्टी हित का कार्य कर सके हमारे कार्यकर्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रेरणा को आत्मसात करें और उनके जीवन संघर्ष को स्वीकार करें इसी को आधार मानकर पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रशिक्षित कर रही है आने वाले समय में जब पार्टी चुनाव में जाएगी तो यह

प्रशिक्षण अनुशासन का रूप लेते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए एक आधारशिला तैयार करेगा। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया की पार्टी निरंतर कार्य कर रही है और अपने प्रत्येक पदाधिकारी को तैयार कर रही है जिससे कि भाजपा का कार्यकर्ता अपनी पार्टी और संस्कृति का कुशल निर्वहन कर सके उन्होंने बताया कि पार्टी का उद्देश्य है कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता नियमित रूप से पार्टी के निर्देशों का पालन करें और उसके लिए यह प्रशिक्षण कुशल माहौल तैयार करेगा। कार्यक्रम को सिधौली के विधायक मनीष रावत ने भी संबोधित किया इस अवसर पर तीनों मंडलों के मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी एवं अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

भारतीय किसान संघ ने किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को ग्राम करनपुर स्थित कृषि भवन में भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर 6 सूत्रीय ज्ञापन जिला अधिकारी के नाम संबोधित करते हुए नायब तहसीलदार को सौंपा गया, इस मौके पर जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर नल हर घर जल योजना के अंतर्गत बनाई गई पानी की टंकियों को शीघ्र चालू कराया जाए जिससे ग्रामवासियों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध हो सके, गांवों में सुबह शाम अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिससे पढ़ने वाले विद्यार्थियों ओर ग्रामवासियों को परेशानी हो रही है बिजली कटौती तुरन्त बंद की जाए, आपूर्ति विभाग द्वारा अनेक पात्र राशन कार्ड धारकों के राशन कार्ड काट दिया गया है जांच कराकर पात्र राशन कार्ड धारकों के राशन कार्ड पुनः चालू कराए जाए, वहीं इस मौके

पर ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण गांवों में मच्छरों के बढ़ने से बुखार और मलेरिया जैसी बीमारी फैल रही है रोकथाम के लिए गांवों में दवाईयों का छिड़काव कराया जाए, तथा गांव उधनपुर के चौराहे से मुंसिफ कोर्ट तक का मार्ग कच्चा होने के कारण बहुत खराब स्थिति में है जिससे अनेकों गांवों के अनेक लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसे शीघ्र पक्का कराया जाए, इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी, प्रांतीय गन्ना प्रमुख महीपाल सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा,जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह चौहान, जिला संरक्षक सतीश त्यागी, ब्लॉक मंत्री उमेश कुमार, राजीव सिंह, धर्मपाल सिंह, धर्म सिंह, दलीप सिंह, नरेश, सुलेंद सिंह, नत्थू सिंह, अशोक शर्मा, डम्बर सिंह, जगदीश सिंह आदि भारी संख्या मे कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

बिहार राज्यसभा चुनाव: नितिन नवीन ने किया मतदान, राजद विधायक से मिलाया हाथ

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में राजनीति के लिहाज से आज (सोमवार) का दिन काफी अहम माना जा रहा है। राज्य की पांच राज्यसभा सीटों के लिए विधानसभा परिसर में सुबह 9 बजे से मतदान जारी है, जो शाम 4 बजे तक चलेगा। मतदान के लिए सभी दलों के विधायक लगातार विधानसभा पहुंच रहे हैं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा उम्मीदवार नितिन नवीन भी विधानसभा पहुंचे और मतदान किया। मतदान प्रक्रिया के दौरान अब तक कई विधायकों ने अपने वोट डाल दिए हैं, जबकि बाकी विधायक भी धीरे-धीरे विधानसभा पहुंच रहे हैं। मतदान के दौरान सभी राजनीतिक दल अपने-अपने विधायकों को एकजुट बनाए रखने को लेकर बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। खासतौर पर पांचवीं सीट को लेकर मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। यही वजह है कि दलों की कोशिश है कि उनके विधायकों का एक भी वोट इधर-उधर न हो। इस कारण मतदान के दौरान नेताओं की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं। इसी बीच विधानसभा परिसर में एक दिलचस्प दृश्य देखने को मिला। जब नितिन नवीन विधानसभा पहुंचे, तो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक रणविजय साहू ने उनसे हाथ मिलाया। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात की तस्वीर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का दौर शुरू हो गया। हालांकि, इस मुलाकात को सामान्य शिष्टाचार बताया जा रहा है। फिर भी राज्यसभा चुनाव के दौरान अलग-अलग दलों के नेताओं की इस तरह की मुलाकातें अक्सर राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन जाती हैं।

वैशाली में गैस सिलेंडर के लिए लंबी लाइन, अफवाहों के बीच प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक ओर अफवाहों के चलते लोग एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर एजेंसी संचालकों का दावा है कि पर्याप्त गैस है और डिलीवरी जारी है। वही एक गैस एजेंसी के बाहर सुबह 4 बजे से ही सैकड़ों कार्डधारक सिलेंडर के लिए कतार में खड़े थे। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे बीते कई दिनों से चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाया है। वहीं, कुछ उपभोक्ताओं ने एजेंसी संचालकों पर बिना जानकारी के सिलेंडर की उठाईगिरी (ट्रांसफर) करने का गंभीर आरोप लगाया। वही इसको लेकर इंडियन गैस के

कर्मी सोनू कुमार ने स्थिति को सामान्य बताते हुए कहा, "गैस की कोई कमी नहीं है। गाड़ी आ रही हैं और सप्लाई हो रही है।" उन्होंने बताया कि फिलहाल होम डिलीवरी बंद होने के कारण सभी उपभोक्ता गोदाम पर जमा हो रहे हैं, जिससे अव्यवस्था का माहौल बन रहा है। अरुणा भारत गैस एजेंसी के संचालक बलराम कुमार ने किल्लत से इनकार करते हुए पैनिक के लिए अफवाहों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, की दो देशो मे युद्ध के बाद से लोगों ने पैनिक की स्थिति पैदा कर दी है। पहले जहां रोजाना 800 बुकिंग होती थी, वहां अब 2000 से अधिक बुकिंग हो रही है।" उन्होंने बताया कि लंबे समय से सिलेंडर न उठाने वाले उपभोक्ताओं को पहले केवाईसी कराने का निर्देश दिया गया है। सर्वर लोड के कारण ऑनलाइन बुकिंग में आ रही दिक्कतों के बारे में उन्होंने बताया कि लगातार प्रयास करते रहें। वहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और बुकिंग के बाद ही सिलेंडर प्राप्त करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाजीपुर में निजी अस्पताल सील, डीएम के निर्देश पर जांच में मिली गंभीर अनियमितता

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह को दूरभाष पर शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। हाजीपुर स्थित एक निजी अस्पताल में छापेमारी के दौरान अनियमितता पाए जाने पर उसे सील कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, महुआ थाना क्षेत्र की एक महिला ने शिकायत की थी। उनके भाई के इलाज के नाम पर पहले 45,000 रुपये की जबरन मांग की गई थी। विरोध करने पर अस्पताल ने बाद में 13,000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता ने बताया कि पवन कुमार नामक बिचौलिये ने उन्हें जबरन श्री गणेश हॉस्पिटल, सदर हॉस्पिटल रोड, हाजीपुर में भर्ती कराया था। आरोप है कि इलाज के दौरान महंगी दवाएं देकर अधिक पैसे मांगे गए। जिलाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी हाजीपुर की

अध्यक्षता में एक संयुक्त जांच दल का गठन किया गया। इस दल में सिविल सर्जन वैशाली, अंचलाधिकारी हाजीपुर, नगर थाना हाजीपुर और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल थे। टीम ने अस्पताल की जांच की। जांच के दौरान, शिकायतकर्ता के भाई को बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। जांच में पाया गया कि श्री गणेश हॉस्पिटल में कोई योग्य चिकित्सक उपलब्ध नहीं था। साथ ही, आवश्यक तकनीकी और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का भी अभाव था। अस्पताल के ऊपरी तल पर केवल एक महिला मरीज भर्ती मिली। जांच दल ने आवश्यक मानकों और योग्य चिकित्सकों की अनुपस्थिति में अस्पताल के संचालन को गंभीर अनियमितता माना। इसके बाद मौके पर ही अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना पंजीकरण, योग्य चिकित्सक और आवश्यक स्वास्थ्य मानकों के बिना संचालित किसी भी अस्पताल या क्लिनिक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सरकारी अस्पतालों के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और मरीजों को बेहतर व सुलभ इलाज उपलब्ध कराने के लिए निरंतर निगरानी और आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

बिहटा- अग्निशमन विभाग ने निकाली जागरूकता बाइक रैली

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में बढ़ती गर्मी और तापमान के मद्देनजर बिहार अग्निशमन विभाग ने पटना के दानापुर अनुमंडल क्षेत्र में जन जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को आग से बचाव के तरीकों और सावधानियों के बारे में जानकारी देना था। यह रैली दानापुर अनुमंडल से शुरू हुई और शिवाला चौक, नेउरा गंज, नेउरा बाजार, कन्हौली, बिहटा चौक, बिहटा बाजार होते हुए मनेर और आनंद बाजार तक गई। इस बाइक रैली में अग्निशमन विभाग के सभी कर्मी और अधिकारी शामिल थे। अग्निशमन विभाग के कर्मी सुमन कुमार ने बताया कि इस जन जागरूकता बाइक रैली का आयोजन बढ़ती गर्मी के कारण आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आग लगने की किसी भी घटना की सूचना तुरंत विभाग के सरकारी नंबर 101 या 112 पर दें।रैली के दौरान आग से बचाव के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। लोगों को सलाह दी गई कि गर्मी के मौसम में सुबह 9 बजे से पहले और शाम 6 बजे के बाद ही खाना बनाएं। इसके अतिरिक्त, हमेशा सूती कपड़ों का उपयोग करने का आग्रह किया गया। साथ ही विभाग के तरफ से आग से बचाव को लेकर कई आधुनिक मशीन अब दी गई है, जो अनुमंडल प्रखंड स्तर पर दिया गया है। जिसमें बाइक से अब हमारे कर्मी आग बुझा सकते हैं, जहां पर बड़ी गाड़ियां नहीं जा सकती है, वहां पर बाइक से ही आग बुझाने का काम किया जा रहा है। इसलिए लोगों से आग्रह है कि जब भी ऐसी कोई घटना होती है, तो तुरंत विवाह के सरकारी नंबर टोल फ्री नंबर पर कॉल करें।

सलखुआ युवती हत्या कांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, Mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। सहरसा पुलिस ने सलखुआ थाना क्षेत्र में हुई युवती हत्या मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त संभावित हथियार भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, 08 मार्च 2026 को सलखुआ थाना क्षेत्र में एक युवती का शव बरामद होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही सहरसा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड की मदद से घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए। इस मामले में सलखुआ थाना कांड संख्या 40/26, दिनांक 09 मार्च 2026 को संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के

निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरी बख्तियारपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन, तकनीकी अनुसंधान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर लगातार छापेमारी की गई। इसके परिणामस्वरूप 15 मार्च 2026 को अप्राथमिकी अभियुक्त भूपन यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही और स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर उसके घर से घटना में प्रयुक्त एक देशी कट्टा और एक खोखा बरामद किया गया है। बरामद हथियार को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए बैलिस्टिक जांच हेतु भेजा जा रहा है। प्रारंभिक जांच में घटना का कारण आरोपी और मृतका के बीच प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार आरोपी

- भूपन यादव, पिता – फतिनग यादव, निवासी कोपरिया वार्ड नंबर-03, थाना सलखुआ, जिला सहरसा

बरामद सामग्री

- देशी कट्टा – 01 (संभावित घटना में प्रयुक्त)
- खोखा – 01

छापेमारी टीम में शामिल अधिकारी– अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार ठाकुर (सिमरी बख्तियारपुर), पुलिस निरीक्षक सुजाउद्दीन, थानाध्यक्ष संजना कुमारी (सलखुआ थाना), बबलु कुमार, दीपक कुमार तथा स्विटी कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

अनंत सिंह बोले- मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा

लोकतंत्र की शान, पटना

बाहुबली अनंत सिंह ने सोमवार को विधानसभा के बाहर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। अनंत सिंह से पूछ गया कि अगला CM कौन होगा। इस पर उन्होंने कहा कि नीतीश जी तय करेंगे। बिना नीतीश के चुनाव लड़के के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश नहीं रहेंगे तो मैं भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। निशांत और तेजस्वी में से आपको कौन अच्छा लगता है। इस सवाल के जवाब को अनंत सिंह टाल गए। अनंत सिंह ने ये भी दावा किया कि मैं 1 महीने में जेल से छूट जाऊंगा। असली अपराधी पकड़ा जाएगा। अनंत सिंह सोमवार को बेऊर जेल से राज्यसभा चुनाव के लिए वोट डालने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने NDA के पांचों कैंडिडेट्स की जीत का भी दावा किया। बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने 1 महीने पहले विधायक पद की शपथ ली थी। सदन के अंदर बिना पढ़े उन्होंने कहा मैं अनंत सिंह ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं कानून

द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा। मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा। मैं बिहार राज्य के विधानसभा के सदस्य के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करूंगा। शपथ लेने के बाद अनंत सिंह ने विधानसभा स्पीकर प्रेम कुमार से मुलाकात की। इसके बाद वो CM नीतीश के पास पहुंचे और उनके पैर छुए। इस दौरान CM नीतीश ने अनंत सिंह के तिलक के बारे में पूछा। इसके बाद अनंत सिंह जाकर अपनी सीट पर बैठ गए। करीब 10 मिनट बाद वो विधानसभा से फिर जेल के लिए निकल गए।

एलपीजी गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, Mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। राज्य में एलपीजी गैस आपूर्ति की वर्तमान स्थिति की समीक्षा को लेकर सोमवार को बिहार के मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलों में गैस आपूर्ति की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने एलपीजी गैस आपूर्ति में आ रही समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए कालाबाजारी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सहरसा जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति

पूर्व की भांति सुचारु रूप से जारी रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही गैस आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि एलपीजी गैस आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या सामने आती है तो वे टोल फ्री नंबर 06478-222753 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत मिलने पर समस्या के त्वरित समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सहरसा से जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता से संवाद कार्यक्रम में 37 मामलों की सुनवाई, त्वरित निष्पादन के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। "सबका सम्मान–जीवन आसान" (Ease of Living) अभियान के तहत सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत सोमवार को जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आम नागरिकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 37 आवेदनों की सुनवाई की गई तथा संबंधित विभागों को उनके सम्यक और शीघ्र निष्पादन के लिए निर्देश दिए गए। सुनवाई के क्रम में सहरसा निवासी रंजना कुमारी तथा कहरा के अमरपुर निवासी श्री नुनूलाल साह ने भूमि विवाद से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इस मामले के समाधान के लिए अंचलाधिकारी कहरा को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश

दिया गया। वहीं महिषी निवासी श्री चंद्रशेखर यादव द्वारा भी भूमि विवाद से संबंधित आवेदन दिया गया, जिसके निष्पादन हेतु अंचलाधिकारी महिषी को निर्देशित किया गया। इसी प्रकार सौर बाजार निवासी श्री प्रमोद कुमार एवं श्री राणा रंजीत यादव द्वारा दिए गए भूमि विवाद से जुड़े आवेदनों के समुचित निवारण के लिए अंचलाधिकारी सौर बाजार को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। प्रशासन द्वारा बताया गया कि इस व्यवस्था के तहत जिले के सभी कार्यालयों में आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जा रही है, ताकि लोगों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके। इस अवसर पर आयोजित जनता दरबार में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री मृत्युंजय कुमार, अपर समाहर्ता (वि. जांच) श्री गणेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन पर कार्यशाला आयोजित, प्रभावी कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, Mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता। बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन तथा पुनर्वास के लिए राज्य रणनीति एवं कार्ययोजना 2025 के तहत सोमवार को समाहरणालय सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला सह सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित प्रावधानों और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों में और तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रम अधीक्षक सहरसा द्वारा उपस्थित अधिकारियों का पौधा देकर स्वागत करते हुए की गई। कार्यशाला में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, नगर आयुक्त श्री प्रभात कुमार झा, अपर समाहर्ता श्री निशांत, सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी सहरसा एवं सिमरी बख्तियारपुर, पुलिस उपाधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कोशी प्रमंडल के श्रम प्रवर्तन

पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला के दौरान श्रम अधीक्षक ने बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रतिष्ठान में नियोजित करना पूर्णतः प्रतिबंधित है, जबकि धारा 3ए के तहत 14 से 18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित करना प्रतिबंधित है। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाती है और उन्हें 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना या छह माह से दो वर्ष तक की सजा अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं। अधिकारियों को बताया गया कि विमुक्त बाल श्रमिकों को तत्काल पुनर्वास के लिए 3 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रति विमुक्त बाल श्रमिक 25 हजार रुपये की राशि उनके नाम से सावधि जमा कराई जाती है, जो 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर संबंधित बच्चे को प्रदान की जाती है। साथ ही खतरनाक व्यवसायों से मुक्त कराए गए प्रत्येक बाल श्रमिक के मामले में नियोजक से 20 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति राशि जिला बाल श्रम पुनर्वास सह कल्याण कोष में जमा कराई जाती है। कार्यशाला में समाज कल्याण, शिक्षा, गृह, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, विधि, परिवहन, जनसंपर्क और पंचायती राज विभाग सहित अन्य हितधारक विभागों को बाल श्रम उन्मूलन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियानों में और तेजी लाई जाए तथा विभागों के समन्वय से विमुक्त बाल श्रमिकों के पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। इस दौरान आम लोगों से अपील की गई कि यदि कहीं बाल श्रम की जानकारी मिले तो इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 1800-296-5656, व्हाट्सएप नंबर 9471229133 या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बाढ़ के राणाबीघा पॉलीटेक्निक कॉलेज में हंगामा

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल स्थित राणाबीघा गांव के पॉलीटेक्निक कॉलेज में सोमवार को उस समय हंगामा हो गया, जब 50 से अधिक छात्र-छात्राओं को बिना यूनिफॉर्म के कॉलेज में प्रवेश करने से रोक दिया गया। कॉलेज गेट पर तैनात गार्ड ने प्रबंधन के आदेश का हवाला देते

हुए छात्रों को अंदर जाने से मना कर दिया। इसके बाद गेट के बाहर छात्रों ने विरोध जताया। छात्रों का आरोप है कि यूनिफॉर्म को लेकर किसी प्रकार की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। पटना से करीब 60 किलोमीटर दूर से आने वाली छात्रा खुशी ने बताया कि अचानक गेट पर रोक दिया गया, जबकि हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को बिना यूनिफॉर्म के भी क्लास में जाने दिया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि इस वजह से कई छात्रों को गेट से ही वापस घर लौटना पड़ा।

50 से अधिक छात्रों को रोका गया: खुसरूपुर के छात्र अमरजीत कुमार ने बताया कि 50 से अधिक छात्रों को कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं बख्तियारपुर के छात्र अमन कुमार ने कहा कि सुबह करीब 9 बजे तक बिना यूनिफॉर्म वाले छात्रों को अंदर जाने दिया गया, लेकिन 9:20 बजे के बाद आने वाले छात्रों को गेट पर ही रोक दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के लिए अलग नियम लागू किए जा रहे हैं।

पटना के बैंक मैनेजर की यूपी में हत्या, छुट्टी नहीं देने पर गार्ड ने सीने में मारी गोली

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के रहने वाले पंजाब एंड सिंध बैंक के मैनेजर अभिषेक शर्मा की उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली चलाने का आरोप बैंक के गार्ड रवींद्र हुड्डा पर है। बताया जा रहा है कि वह कई दिनों से मैनेजर से छुट्टी मांग रहा था, लेकिन छुट्टी नहीं मिलने से नाराज था। इसी विवाद के बाद आरोपी ने अभिषेक शर्मा के सीने में गोली मार दी, जिससे वे जमीन पर गिर पड़े।

बैंक में गोली चलने की आवाज से अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। इसी दौरान आरोपी गार्ड अपने एक साथी के साथ राइफल लेकर मौके से फरार हो गया। बैंक कर्मचारियों ने घायल मैनेजर को बाइक से अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। यह वारदात लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के बलराम नगर इलाके की है। घटना से जुड़ा बैंक गेट का एक CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें गार्ड अपने साथी के साथ नजर

आ रहा है। उसके भागने के कुछ मिनट बाद बैंक मैनेजर को लोग उठाकर ले जाते दिखाई देते हैं।

गाजियाबाद में पत्नी के साथ रहते थे अभिषेक: बैंक मैनेजर अभिषेक शर्मा बिहार में पटना के फुलवारीशरीफ स्थित लखीमपुर के रहने वाले थे। अगस्त, 2025 से वह गाजियाबाद में पत्नी के साथ किराए पर रह रहे थे। घटना की जानकारी पत्नी को दी गई है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- गोली की आवाज सुनकर बैंक के बाहर ही रुक गया: प्रत्यक्षदर्शी आरएन पांडेय ने बताया, "मैं भी बैंक

राइफल लेकर भागा आरोपी

आया था। अंदर जा ही रहा था कि गोली चलने की आवाज सुनकर रुक गया। तभी एक व्यक्ति, जो हाफ पैंट और टी-शर्ट पहने था, बाहर निकलता दिखा। उसके एक हाथ में बंदूक थी। उसके साथ एक और व्यक्ति था, जो कुर्ता-पैंट और सिर पर पगड़ी पहने हुए था। दोनों आराम से बैंक से बाहर निकले। मेन रोड पर एक बाइक खड़ी थी और दोनों उसी बाइक से फरार हो गए। बैंक के कर्मचारी मैनेजर को उठाकर बाहर ला रहे थे।"

पुलिस बोली- आरोपी की गिरफ्तारी के छापेमारी चल रही: पुलिस के अनुसार, रवींद्र हुड्डा यूपी के बागपत के मंसूरपुर गांव का रहने वाला है। रवींद्र की तीन महीने पहले पंजाब एंड सिंध बैंक में नौकरी लगी थी। सोमवार सुबह वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा तो बैंक मैनेजर ने उसे फोन किया। ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने का कारण पूछते हुए उसे फटकार लगाई गई। मैनेजर ने उसे तत्काल बैंक पहुंचने के निर्देश दिए।

सिलेंडर क्राइसिस: घंटों लाइन में खड़े रह रहे लोग

लोकतंत्र की शान, पटना

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत जारी है। बिहार में भी रसोई गैस का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी पटना समेत प्रदेश के कई जिलों में सिलेंडर लेने के लिए लोग सुबह से ही गैस एजेंसियों के बाहर लाइन में खड़े हो जा रहे हैं। पटना के बिहटा में रविवार सुबह 4 बजे से गैस एजेंसी के बाहर लंबी लाइन नजर आई। वहीं, दानापुर और बगहा में गैस सिलेंडर आने के बाद भी उसे बांटा नहीं गया तो नाराज लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। बिहार में नए गैस कनेक्शन पर रोक लग गई है। गैस एजेंसियां नए कनेक्शन पर रोक के साथ ही जिन उपभोक्ताओं के पास एक सिलेंडर है, उन्हें दूसरा सिलेंडर भी नहीं दे रहीं हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी छात्रों को हो रही है। पटना में रहकर पढ़ाई करने वाले सौरभ कुमार ने कहा, 'गैस की कीमत इतनी बढ़ गई है कि भरवाना मुश्किल हो गया है। मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि सिलेंडर भरवा सकूं। करीब 150 छात्र घर लौट चुके हैं। अब मैं भी वापस जाने की सोच रहा हूं।' इधर, सिलेंडर की कमी का असर अब बाजार पर भी दिखने लगा है। गैस उपलब्ध नहीं होने की वजह से लकड़ी और कोयले की मांग बढ़ गई है, जिससे इनके दाम भी तेजी से बढ़े हैं। साथ ही इंडक्शन के दाम भी करीब पांच गुना तक बढ़ गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

देवरिया विजेता, प्रयागराज बनी उप विजेता

अंतर्राज्यीय वालीबाल टूर्नामेंट का हुआ समापन

लोकतंत्र की शान सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। 14 एवं 15 मार्च को खाषाडोल (दादर) के खेल मैदान में अंतर्राजीय बालीबाल टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ जिसमे रविवार को शाम हुए फाइनल मुकाबले मे देवरिया हास्टल (उ. प्र.)की टीम ने प्रयागराज (उ. प्र.)को 3-1 से हराकर विजेता टीम बनी जबकि प्रयागराज (उ. प्र.)की टीम उपविजेता टीम बनी। यह आयोजन जिला पंचायत सदस्य कृष्णलाल पयासी के मुख्य अतिथि, सरपंच रामदयाल कोल की अध्यक्षता, भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत मिश्रा के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी व कांग्रेस नेता रामकृष्ण गुप्ता,विधायक प्रतिनिधि रोहणी रमण मिश्रा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष लाला भैया शुक्ला, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रदीप सिंह, एड. पवन तिवारी,आनंद तिवारी, शिवप्रसाद मिश्रा, पुनीत पाण्डेय, सचिव हर्षनारायण सिंह रिंकू,अनुराग मिश्रा, कमलेश यादव,पुनीत अर्पण द्विवेदी सहित अन्य अतिथियों एवं हजारों खेल प्रेमियों की उपस्थिती मे प्रतियोगिता का समापन हुआ में टूर्नामेंट मे एमसीबी छत्तीसगढ़, दादर स्पोर्ट्स, शहहडोल, डिंडोरी की मेजवान टीमों ने सहभागिता की। आयोजन के प्रमुख सहयोगी दादर स्पोर्ट्स के खिलाड़ी व वालेंटियर्स सोनू, धीरज, बीरु, बेट्टू, पंकज तिवारी सोनू भैया, पियूष अर्पण द्विवेदी, शुभम, कमलेश केवट, ध्रुव, भूपेश, सैम्प्रास, अम्बिकेश मिश्रा, दीपक मिश्रा, रोहित मिश्रा, अंकित, सुनील एवं अन्य सभी वालेंटियर्स का टूर्नामेंट को सम्पन्न कराने सराहनीय योगदान रहा। दादर स्पोर्ट्स एवं म्यूजिक संस्थान के संचालक कनक द्विवेदी ने सभी सहयोगियों अतिथियों, टीमों,वालेंटियर्स,एवं दर्शकों के प्रति आभार जताया है।

पलवल में पुरानी रंजिश में दंपती पर हमला, गर्भवती से मारपीट, गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत का आरोप

लोकतंत्र की शान : पलवल। जिले के हथीन थाना क्षेत्र के अंधरौला गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक और उसकी ढाई माह की गर्भवती पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि आरोपियों की मारपीट के कारण महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने पति की शिकायत पर 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हथीन थाना प्रभारी हरी किशन ने सोमवार को बताया कि इस संबंध में अंधरौला गांव निवासी जावेद अख्तर ने पुलिस को शिकायत दी है। उसने शिकायत में बताया कि सुबह वह बाइक से अपनी दुकान पर जा रहा था। रास्ते में जयंती मोड़ के पास सद्दीक, सलीम, साबिर, सहाबुद्दीन, मौइम, सादिक, जफर, साहिल, परवेज, सोहिल और सावेज ने उसका रास्ता रोक लिया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों के हाथों में लाठी, डंडे, सरिया और फरसा जैसे हथियार थे। उन्होंने जावेद को बाइक से नीचे गिराकर सरिए और फरसे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। किसी तरह जावेद घायल अवस्था में अपने घर पहुंचा, लेकिन आरोपी उसके पीछे-पीछे घर में घुस आए। जब जावेद की पत्नी माफिया ने उसे बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में बताया गया है कि माफिया ढाई माह की गर्भवती थी और आरोपियों ने उसके पेट पर लात-घूंसों और लाठियों से वार किए।जावेद का आरोप है कि इस मारपीट के कारण उसकी पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए हथीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे आगे के इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हथीन थाना पुलिस ने जावेद अख्तर की शिकायत के आधार पर सभी 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

यमुनानगर: तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल युवक ने दम तोड़ा

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर के व्यासपुर क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में नरेंद्र निवासी ललहाड़ी कलां ने बताया कि वह गांव में सीमेंट और हार्डवेयर का काम करता है।शुक्रवार शाम वह अपने परिचित के साथ मोटरसाइकिल से व्यासपुर से गांव की ओर लौट रहा था। उनके आगे उसका भतीजा बलजीत सिंह अपनी बाइक पर चल रहा था। शाम को जब वे सोम नदी पुल के पास, गांव मलिकपुर बांगर के नजदीक पहुंचे तो सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल अचानक गलत दिशा में आ गई। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही उस बाइक ने बलजीत सिंह की मोटरसाइकिल को सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन सड़क पर गिर पड़े। हादसे में बलजीत सिंह को सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद पहुंचाई और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की सहायता से घायल को पहले व्यासपुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जगाधरी रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार जगाधरी में उपचार के बाद उसे यमुनानगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार न होने पर परिवार उसे निजी अस्पताल ले गया। इसके बाद बेहतर इलाज की उम्मीद में शनिवार को उसे पंजाब के डेराबसी स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन रविवार की शाम उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक हादसे के समय टक्कर मारने वाली मोटरसाइकिल का नंबर लोगों ने नोट कर लिया था, हालांकि चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। व्यासपुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पलवल में गैस सप्लाई ठप, उपभोक्ताओं में हाहाकार ओम गैस एजेंसी पर कालाबाजारी के आरोप

लोकतंत्र की शान : पलवल। प्रदेश में रसोई गैस की किल्लत और कालाबाजारी की खबरों के बीच पलवल में भी उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ती जा रही है। शहर के रशूलपुर रोड स्थित एचपी कंपनी से संबद्ध ओम गैस एजेंसी पर पिछले छह दिनों से गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं आने के आरोप लगे हैं, जिससे हजारों उपभोक्ता परेशान हैं। उपभोक्ताओं ने सोमवार को आरोप लगाया कि गैस रिफिल कराने के लिए एजेंसी पर पहुंचने पर उन्हें रोजाना आज नहीं, कल आना कहकर लौटा दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर बाजार में गैस सिलेंडर करीब 2500 रुपये तक ब्लैक में बिकने की चर्चा से लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार रशूलपुर रोड स्थित इस गैस एजेंसी से करीब 12 हजार उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। गैस लेने पहुंचे कई लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में भी ऑनलाइन बुकिंग कराने के बावजूद उन्हें एजेंसी के गोदाम से खुद ही सिलेंडर उठाकर ले जाना पड़ता है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद उनसे डिलीवरी चार्ज भी वसूला जाता है। हालांकि एजेंसी से जुड़े एक कर्मचारी का कहना है कि करीब 70 प्रतिशत उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की सुविधा दी जाती है। वहीं उपभोक्ताओं का दावा है कि वास्तविक स्थिति इससे अलग है और उन्हें लंबे समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सप्लाई बंद होने और सिलेंडर की कालाबाजारी के आरोपों को लेकर उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

नशीली कफ सिरप के विरुद्ध जमोड़ी पुलिस की बड़ी कार्यवाही

» 50 शीशी अवैध कफ सिरप के साथ आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सीधी। जमोड़ी पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत एक बार फिर बड़ी कार्यवाही की है, यह कार्यवाही जमोड़ी पुलिस ने थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में की है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जमोड़ी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है। थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर अवैध नशीली कफ सिरप बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 15 मार्च 2026 की रात्रि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अंधियारखोह का निवासी बृजेश उर्फ पुजेरी साकेत अपने घर के बाहर झाड़ियों में नशीली कफ सिरप छिपाकर बेचने की फिराक में है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्यवाही की। मौके पर संदेही के घर के पास झाड़ियों से एक लाल रंग की बोरी बरामद हुई, जिसमें 50 शीशी ऑनरेक्स कफ सिरप जिसकी कुल कीमत लगभग 15 हजार रुपए पाई गई। आरोपी द्वारा उक्त नशीली दवा के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उसे एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21, 22 एवं 5/13 ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, सउनि गोविंद लाल, प्रआर रामखेलावन, प्रआर कुशुम, आरक्षक सतीश तिवारी, अंकित सिंह एवं आरक्षक अभिषेक का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ट्रस्ट और टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के परिवर्तन के दो प्रमुख आधार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय,रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटजिक स्टडी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय सशस्त्र बलों, विभिन्न देशों की सेनाओं तथा भारत सरकार की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रस्ट और टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के परिवर्तन के दो प्रमुख आधार बने हैं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था तीन गुना बढ़ी है और आज देश में सर्वाधिक हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है, जहां देश के लगभग 55 प्रतिशत एक्सप्रेसवे स्थित हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सुरक्षा एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन सरकार ने रूल ऑफ लॉ स्थापित करते हुए अवैध वसूली और अराजकता पर प्रभावी नियंत्रण किया। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेश और विकास को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का तेजी से विकास हो रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई स्थापित है, जो एक एंकर यूनिट के रूप में अनेक छोटे उद्यमों को अवसर प्रदान करेगी। कानपुर नोड में भी बड़े निवेश आए हैं, जबकि हरदोई में 'बेब्ले स्कॉट' उत्पादन इकाई है। उन्होंने अधिकारियों को डिफेंस कॉरिडोर का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया।

राजकिशोर यादव राजू भैया (जानू) पूर्व पार्षद के जन्म दिवस की हार्दिक बधाई

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : कटनी लोक लोकमान्य तिलक वार्ड के पूर्व पार्षद और प्रतिपक्ष के नेता राजकिशोर यादव का जन्मदिन होने सेम पुराने साथी एवं प्रिय भाई राजकिशोर यादव राजू भैया (जानू) को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं। राजू भाई और और हमने काफी समय एक साथ काम किया जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आपके साथ अपने वार्ड में लाखों करोड़ों का विकास कार्य किया पिछले 20 साल में लोकमान्य तिलक वार्ड के विकास कार्य को लेकर अपना योगदान दिया छोटे-छोटे बातों को भी गंभीरता से लेते रहे उनके इस जन्मदिन के अवसर पर उनको लंबी उम्र की कामना करते हैं इन्होंने एक साथ संघर्ष किया कई ऐतिहासिक आंदोलन भी साथ में मिलकर किये, जो की अभी तक के सबसे शानदार आंदोलन थे जिसे तत्कालीन नगर सरकार की जड़ें हिल जाया करतीं थी दसों हजार लोगों को लेकर हम लोग नगर निगम को घेर लेते थे मैने आंदोलन का नाम रखा था हल्ला बोल।। लोग यह तक कहने लगे थे कि बिट्टू और राजू मिलकर इस नगर में बहुत कुछ कर सकते हैं,, मुझसे जितना बना मैंने राजकिशोर यादव जी का हमेशा राजनीतिक सहयोग करने का प्रयास किया

नवनियुक्त जिला युवा अध्यक्ष पंडित विट्ठल डण्डौतिया जी ने सभी वरिष्ठ जनों का आशीर्वाद प्राप्त कर अपना कार्यभार संभाला और अतिशीघ्र युवा इकाई का विस्तार करने की घोषणा की

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

आज किशन सिंह डण्डोतिया धर्मशाला केशवकालोनी मुरैना में सर्व ब्राह्मण उत्थान समिति भोपाल द्वारा मुरैना जिला युवा इकाई का गठन किया गया पंडित रामनरेश डण्डौतिया प्रदेश उपाध्यक्ष जी के प्रस्ताव पर तथा पंडित संदीप दुबे प्रदेश प्रचार सचिव के अनुमोदन पर पंडित संजीव दुबे जी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा पंडित विठ्ठल डण्डौतिया को जिला युवा अध्यक्ष नियुक्त किया गया ।इसी संदर्भ में मुरैना शहर में एक बैठक का आयोजन किया गया जो सर्व ब्राह्मण उत्थान समिति भोपाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बृजेश शर्मा जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस शुभ अवसर पर पंडित बनवारी लाल उपाध्याय जी राष्ट्रीय महामंत्री, पंडित रामनरेश डण्डौतिया जी प्रदेश उपाध्यक्ष, मुरैना जिलाध्यक्ष पंडित केशव शर्मा जी, पंडित कौशल शर्मा जी, पंडित अशोक पाण्डेय जी, पंडित मनोज चक्रधारी जी,पंडित प्रमोद शर्मा जी,पंडित राममूर्ति डण्डौतिया जी,पंडित मुकेश स्वामी जी,पंडित विक्रमराज मुद्गल जी, पंडित मनोज तिवारी जी आदि अनेक ब्राह्मण बन्धु उपस्थित रहे इस अवसर पर पंडित बनवारीलाल उपाध्याय जी द्वारा संस्था द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला और अपने विचार व्यक्त किए तथा पंडित श्री बृजेश शर्मा जी राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण समाज के अलावा सभी सामान्य वर्ग के लोगों को एक सूत्र में बांधने पर जोर दिया उन्होंने कहा ब्राह्मण देव ऋषियों की संतान है नाकि मनु की संतान ब्राह्मण देवताओं की संतान होने के कारण ब्राह्मण देवता हैं। वे मनुष्य नहीं हैं।जो मनु सतरुपा की संतान मनुष्य हैं।अंत में पंडित केशव शर्मा जी जिलाध्यक्ष द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात नवनियुक्त जिला युवा अध्यक्ष पंडित विठ्ठल डण्डौतिया जी ने सभी वरिष्ठ जनों का आशीर्वाद प्राप्त कर अपना कार्यभार संभाला और अतिशीघ्र युवा इकाई का विस्तार करने की घोषणा की।

शासकीय भूमि पर फैले अतिक्रमण को हटाने में रुचि नहीं दिखा रही तहसीलदार

» अतिक्रमण हटाने मंडल अध्यक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। जिले के चुरहट नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों एवं स्थानीय रहवासियों द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के मामले को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष चुरहट प्रमोद सिंह ओपी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर समुचित कार्यवाही की मांग उठाई है। मंडल अध्यक्ष चुरहट प्रमोद सिंह ओपी ने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को लिखें गए अपने पत्र में उल्लेख किया है कि चुरहट नगर परिषद की शासकीय भूमियों में आराजी क 510 जो कि म.प्र. शासन दर्ज अभिलेख है, जो कि रीवा सीधी मार्ग पुराने बस स्टैण्ड के पास स्थित है उसके उत्तरी तरफ मंदिर स्थित है, उसके सामने अतिक्रमणकर्ता द्वारा दुकान संचालित कर सड़क में जाम की स्थित निर्मित की जा रही है जिससे आवागमन में लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, न्यायहित में यह अतिक्रमण हटाना उचित होगा, इसी तरह नगर परिषद चुरहट अंतर्गत शा. कन्या हा. स्कूल के दक्षिणी तरफ रीवा सीधी प्रचलित मार्ग के किनारे झुग्गी झोपड़ी बनाकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है, आम नागरिकों और शासन के हितार्थ जाँच कराकर उक्त आराजी को अतिक्रमण मुक्त कराया जाना न्यायोचित होगा। इसके साथ साथ थाना चुरहट के सामने गुढ़ रोड के बगल में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर्ता द्वारा अतिक्रमण कर दो नग दुकान का निर्माण करा लिया गया है आमजन और नगर परिषद के हितार्थ अतिक्रमण हटाया जाना न्यायोचित होगा , वहीं आराजी क.512 रकबा 0.093 है में पीडब्ल्यूडी चौकी अभिलेख में दर्ज है जिसे अतिक्रमणकर्ता द्वारा पूर्ण रुपेण अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसे जाँच कर पीडब्ल्यूडी चौकी की भूमि को मुक्त कराई जाए। मंडल अध्यक्ष चुरहट प्रमोद सिंह ओपी ने यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले को लेकर तहसीलदार चुरहट को पत्र लिखकर संज्ञान लाया गया था लेकिन उनके द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। श्री सिंह ने इस मामले को लेकर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से आग्रह किया है कि उक्त भूमियों के तथ्यों की समुचित जाँच कराये जाने व प्रमाणित तथ्यों के आधार पर उपरोक्त अतिक्रमण शीघ्र हटाये जाने का आदेश जारी किया जाय।

कमल कामदार बने सिंधी पंचायत समिति के जिलाध्यक्ष

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। जिले के वरिष्ठ समाजसेवी कमल कामदार को सिंधी समाज के संगठन सिंधी पंचायत समिति सीधी का जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उनके जिला अध्यक्ष बनने से समाज के लोगों में खुशी की लहर है और सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। बता दें कि कमल कामदार लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए समाज के उत्थान एवं सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में सिंधी पंचायत समिति के माध्यम से समाजहित के कार्यों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि कमल कामदार अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समर्पण से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उनके जिला अध्यक्ष निर्वाचित होने पर समाज के लोगों ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की हैं।

सिरसी नगर पंचायत में नए निर्दिष्ट सदस्यों की नियुक्ति, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,सम्भल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी में विजय गुप्ता, माली अनिल कुमार एवं कु० वंदना वाल्मीकि को निर्दिष्ट सदस्य के रूप में नामित किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके मनोनयन पर नगर के गणमान्य लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने उम्मीद जताई है कि तीनों नव-निर्दिष्ट सदस्य नगर पंचायत सिरसी के विकास, जनसेवा और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए नगर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। साथ ही यह भी कहा गया कि उनके अनुभव और कार्यशैली से नगर में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। नगरवासियों ने तीनों सदस्यों के उज्ज्वल और सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके सहयोग से सिरसी नगर पंचायत विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।

पटवारी 5 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

» सीधी में लोकायुक्त पुलिस रीवा की बड़ी कार्रवाई,

» नहीं थम रहा सरकारी महकमे में भ्रष्टाचार का सिलसिला

लोकतंत्र की शान

सीधी (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)। लोकायुक्त पुलिस रीवा ने एक बार फिर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गोपद बनास तहसील के हल्का मिर्चवार में पदस्थ पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया को सोमवार सुबह 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए उनके आवास से रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। सुबह-सुबह हुई इस कार्यवाही से समूचे सरकारी अमले में हडक़ंप मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम मिर्चवार निवासी शिकायतकर्ता मुनेश्वर प्रसाद सोनी ने हल्का पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया पर तीन अलग-अलग राजस्व मामलों, जिनमें वारिसाना भी शामिल था। इसके लिए कुल 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। पटवारी पहले ही एक मामले के लिए 25 हजार रुपए ले चुका था और शेष दो मामलों के निपटारे के लिए लगातार पैसों की मांग कर रहा था। बता दें कि हल्का पटवारी द्वारा किसान को काफी लंबे समय से परेशान किया जा रहा था जिसके चलते वह तंग आकर लोकायुक्त पुलिस रीवा की शरण में जाकर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। लोकायुक्त पुलिस रीवा ने पीड़ित की शिकायत का सत्यापन कराने के बाद एक भ्रष्टाचारी पटवारी के खिलाफ यह कार्यवाही की हैं।

इनका कहना है। शिकायत की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी काम के बदले रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। प्रवीण सिंह परिहार, उप पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त रीवा।

शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त में दर्ज कराई थी शिकायत

शिकायतकर्ता मुनेश्वर प्रसाद सोनी ने बताया कि हल्का पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया की ओर से लगातार रिश्वत मांगे जाने से परेशान होकर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस रीवा की टीम ने गोपनीय जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद कार्रवाई की योजना तैयार कर यह कार्यवाही की गई है।

लोकायुक्त टीम ने पटवारी को रिश्वत लेते पकड़ा

लोकायुक्त पुलिस रीवा में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। योजना के तहत सोमवार सुबह करीब 8 बजे शिकायतकर्ता को सीधी शहर के जिला अस्पताल के पास स्थित पटवारी के आवास पर 5 हजार रुपए देने के लिए भेजा गया। पटवारी की ओर से रिश्वत की रकम लेते ही पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के उपरांत आरोपी पटवारी को हिरासत में ले लिया गया है। लोकायुक्त टीम द्वारा सीधी शहर के सर्किट हाउस में मामले से संबंधित आगे की कानूनी प्रक्रिया पूर्ण की गई।

संक्षिप्त समाचार

धारचूला में रंग पुस्तकालय का नवीनीकरण शुरू, पंचशूल ब्रिगेड की पहल

पिथौरागढ़/धारचूला। पंचशूल ब्रिगेड के कमांडर द्वारा सीमान्त क्षेत्र धारचूला में ऐतिहासिक रंग पुस्तकालय के नवीनीकरण का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों धारचूला में ज्ञान, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। कुमाऊँ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा रंग पुस्तकालय लंबे समय से स्थानीय समुदाय, विद्यार्थियों और युवाओं के लिए अध्ययन एवं ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसके नवीनीकरण के माध्यम से पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर अध्ययन वातावरण और अधिक संसाधन उपलब्ध हो सकें। भारतीय सेना की यह पहल केवल अवसंरचना के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार और युवाओं को प्रेरित करना भी है। पंचशूल ब्रिगेड द्वारा उठाया गया यह कदम भारतीय सेना की "राष्ट्र निर्माण में सहभागिता" की भावना को सुदृढ़ करता है और समाज के साथ उसके मजबूत संबंधों को दर्शाता है।

समदड़ी-मुनाबाव रेलखंड पर अब 110 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में ट्रैक सुधार के महत्वपूर्ण कार्य को गति देते हुए समदड़ी-मुनाबाव रेल सेक्शन के तिलवाड़ा-गोल खंड में लंबे समय से लागू स्थाई गति प्रतिबंध (पीएसआर) हटा दिया गया है। ट्रैक में तकनीकी सुधार के बाद अब इस कर्व से ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजर सकेंगी। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि पहले इस कर्व पर ट्रेनों की अधिकतम गति 95 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित थी।

ट्रैक सुधार और कर्व के पुनर्संरेखण के बाद इसे बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है। इससे इस सेक्शन में ट्रेनों का संचालन अधिक तेज, सुरक्षित और सुचारू होगा। इस कार्य के लिए रविवार को दोपहर 1.35 बजे से शाम 7.05 बजे तक ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया। ब्लॉक के समय यहां लगे चार ओएचई मास्ट हटाए गए और उनके फाउंडेशन को जेसीबी ब्रेकर से तोड़ा गया। इसके बाद डुओमैटिक मशीन से ट्रैक की टैम्पिंग कर लाइन का अलाइनमेंट सुधारा गया, जिससे ट्रैक पहले से अधिक मजबूत और संतुलित हो गया। तकनीकी सुधार के तहत कर्व नंबर-17 को 12.51 मीटर तक खिसकाया गया, जिससे इसका घुमाव 3 डिग्री से घटकर 1.96 डिग्री रह गया। कर्व का घुमाव कम होने से ट्रेनों के लिए इस हिस्से से गुजरना अधिक सुरक्षित और आसान हो गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ऐसे ट्रैक सुधार कार्यों से ट्रेनों की गति, सुरक्षा और समयपालन में सुधार होता है। यह कार्य बिजली शाखा (कर्षण) और परिचालन विभाग के समन्वय से ट्रैफिक ब्लॉक लेकर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। डीआरएम ने कहा कि जोधपुर मंडल रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित रेल संचालन के लिए लगातार ट्रैक आधुनिकीकरण और तकनीकी सुधार के कार्य कर रहा है। इसके लिए उन्होंने इंजीनियरिंग व बिजली शाखा की टीम के समन्वित कार्य की सराहना की है।

नैनीताल में 20 घंटों से विद्युत आपूर्ति ध्वस्त

नैनीताल। जनपद एवं मंडल मुख्यालय नैनीताल में विद्युत व्यवस्था अब भी प्रकृति के कोप पर निर्भर है। हल्की बारिश भी यहां विद्युत आपूर्ति और उसके साथ पेयजल की आपूर्ति के साथ ही अन्य सेवाएं भी बाधित हो जाती है। नगर में रविवार की सुबह के बाद रात्रि में फिर हुई बारिश व ओलावृष्टि के साथ कई स्थानों पर पेड़ और उनकी शाखाओं के गिरने से यातायात व्यवस्था के साथ विद्युत आपूर्ति ध्वस्त हो गयी और लगभग 20 घंटों के बाद भी सोमवार शाम तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पायी है। इस कारण नगर में पेयजल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, साथ ही बिजली पर निर्भर अन्य सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। लोग जरूरी कागजातों के फोटो स्टेट करने के लिये भी इधर-उधर भटकने को मजबूर रहे। जबकि विद्युत कर्मी दिन भी बिजली की क्षतिग्रस्त पारेषण लाइनों में आई खराबी को ढूंढने में जुटे रहे। विद्युत वितरण खंड नैनीताल के उप खंड अधिकारी पर्यंक पांडे ने बताया कि कमी को तलाशने की भरसक कोशिश की जा रही है। फिलहाल पूरे नगर में विद्युत आपूर्ति बाधित है। अग्निशमन एवं आपात सेवा केंद्र मल्लीताल की टीम ने सोमवार को दो स्थानों पर सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाकर यातायात सुचारु कराया। अग्निशमन विभाग के अनुसार सोमवार को भवाली मार्ग पर भूमियाधार और हल्द्वानी मार्ग पर बेलुवाखान और बल्दियाखान क्षेत्र के पास एक-एक विशाल पेड़ सड़क पर गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर यूनिट मौके पर पहुंची और वुड कटर की सहायता से पेड़ को काटकर मार्ग से हटाया, जिससे यातायात सुचारु किया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस लाइन नैनीताल के पास भी एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिरने की सूचना प्राप्त हुई। अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची लेकिन इससे पहले ही वन विभाग की टीम पेड़ को काटकर मार्ग से हटाकर यातायात पहले ही सुचारु कर चुकी थी।

पांच तहसीलों में आपदा पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल कल

नैनीताल। जनपद में मंगलवार 17 मार्च को आपदा पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल का आयोजन होने जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर नैनीताल के अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से परगना मजिस्ट्रेटों, तहसील अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल, रिस्पॉन्स टाइम की जांच, जन-जागरूकता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि वास्तविक आपदा की स्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सके। सभी विभाग अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करते हुए अभियान को सफल बनाएं और तहसीलों में स्थापित सैटेलाइट फोन को भी सक्रिय स्थिति में रखें। उन्होंने बताया कि 17 मार्च को प्रातः 10.30 बजे से जनपद की पांच तहसीलों में आपदा घटनाक्रम पर आधारित मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इसके तहत कैंचीधाम तहसील में मंदिर परिसर, खनस्यू में ओसाड़ बैंड ओखलकांडा और करायल के बीच, कालाढूंगी में रेंजर कार्यालय के समीप वन क्षेत्र, हल्द्वानी में कलसिया नाला क्षेत्र तथा नैनीताल में चार्टन लॉज मल्लीताल और नैनी झील के निकट बोट हाउस के पास मॉक ड्रिल की जाएगी। बताया कि मॉक ड्रिल के बाद कमियों की समीक्षा भी की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजस्व, अग्निशमन, चिकित्सा, परिवहन, आपूर्ति, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, संचार, पशुपालन, वन, पंचायत, होमगार्ड सहित सेना, आईटीबीपी, आईआरबी और सीआरपीएफ के अधिकारी भी शामिल रहे।

एचपीवी टीकाकरण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर सख्त, कम प्रगति वाले बीएमओ पर निलंबन की चेतावनी

सागर। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए मध्य प्रदेश के सागर जिले में चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर संदीप जीआर ने स्पष्ट किया है कि इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोमवार को आयोजित समय सीमा (टीएल) बैठक में ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पाया कि कुछ क्षेत्रों में टीकाकरण की रफ्तार संतोषजनक नहीं है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसरों (बीएमओ) के क्षेत्र में लक्ष्य के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है या जो अभियान में रुचि नहीं ले रहे हैं, उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए कलेक्टर ने रणनीति में बदलाव के निर्देश भी दिए। इसके तहत जिले के स्कूलों और छात्रावासों को मुख्य टीकाकरण केंद्र बनाया जाएगा, ताकि पात्र किशोरियों तक सीधे पहुंच बनाई जा सके। इस संबंध में संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), जिला परियोजना अधिकारी (डीपीसी) और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग के उपायुक्त को सौंपी गई है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लैंडस्लाइड, एक की मौत

भारी बर्फबारी में फंसे 235 लोगों को सेना ने बचाया, ओडिशा में बवंडर से 2 की जान गई

एजेंसी, नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भारी बर्फबारी के बीच एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के पास हुए लैंडस्लाइड हुई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। इसी बीच, सेना ने भारी बर्फबारी के कारण किश्तवाड़ के सिंथन टॉप इलाके में फंसे महिलाएं और बच्चे सहित 235 लोगों को रेस्क्यू किया। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण कई वाहन रास्ते में फंस गए थे। इधर, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने गए टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ने से ट्रैफिक रोक दिया गया था। टनल में करीब हजार गाड़ियां फंसी थीं।

इधर, सिक्किम के कई इलाकों में रविवार देर शाम तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली पोल तक गिर गए। रकडोंग काफर इलाके में पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भी एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

यूपी, बिहार सहित 6 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट: मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण के 25 राज्यों में सोमवार को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में 40-50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत के ऊपर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण आंधी, बारिश, तूफान और ओले गिरने की घटनाएं हो रही हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, पुडुचेरी में मौसम को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि यहां गर्मी का असर रहेगा। तापमान 35°C से 40°C के बीच रह सकता है। रविवार को महाराष्ट्र का अमरावती देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा, यहां तापमान 40.6°C दर्ज किया गया।

जंग के बीच पहला भारतीय जहाज एलपीजी लेकर पहुंचा

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

❑ **शिवालिक शिप पर 32.4 लाख घरेलू सिलेंडर जितनी गैस, कल नंदा देवी और जग लाडकी शिप पहुंचेंगे**

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच LPG कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंच गया है। यह जहाज सोमवार शाम 5 बजे गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला LPG जहाज है। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन LPG लदी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है। शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक दो और जहाज कल भारत पहुंच रहे हैं। पहला जहाज नंदा देवी करीब 46 हजार टन LPG लेकर आ रहा है, वहीं दूसरा जहाज जग लाडकी करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर आ रहा है।

ट्रम्प बोले- ईरान मामले में मदद नहीं मिली तो NATO का भविष्य खराब होगा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर सहयोगी देश ईरान मामले में मदद नहीं करते तो NATO का भविष्य खराब हो सकता है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते, तो गठबंधन की स्थिति कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन की मदद की, जबकि वह उससे हजारों मील दूर है, अब यह देखना होगा कि सहयोगी देश अमेरिका की मदद करते हैं या नहीं। इस बीच जर्मनी ने साफ कर दिया है कि वह ईरान से जुड़े युद्ध में शामिल नहीं होगा और न ही सैन्य बल के जरिए होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने के किसी अभियान में हिस्सा लेगा। ग्रीस के सरकारी प्रवक्ता पावलोस मारिनाकिस ने भी कहा कि उनका देश होर्मुज स्ट्रेट में किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा

महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद लेह में रैली

एजेंसी, लेह (लद्दाख)

◆ **कारगिल बंद रहा, सितंबर 2025 में हिंसक प्रदर्शन में 4 लोगों की मौत हुई थी**

लद्दाख के लेह शहर में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। वहीं कारगिल में बंद रखा गया। यह रैली पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के दो दिन बाद हुई। सितंबर 2025 में लेह में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। इसमें पुलिस फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद यह पहली रैली है। यह बंद और रैली लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के आह्वान पर किया गया। इन संगठनों की मुख्य मांगें लद्दाख को राज्य का दर्जा देना और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना हैं। वांगचुक को करीब छह महीने तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में रखा गया था। केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि सभी पक्षों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत को आसान बनाने के लिए वांगचुक की हिरासत समाप्त की जा रही है।

पुलिस फायरिंग में मारे गए लोगों की तस्वीरें लेकर रैली में पहुंचे: रैली का नेतृत्व LAB के सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने किया। प्रदर्शनकारी सिंगे नामग्याल चौक से लेह के पोलो ग्राउंड तक मार्च करते हुए गए। रैली में बड़ी संख्या

में महिलाएं भी शामिल थीं और लोग राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग के समर्थन में नारे लगा रहे थे। कुछ लोग उन चार लोगों की तस्वीरें भी लेकर चल रहे थे, जिनकी पिछले साल सितंबर में पुलिस फायरिंग में मौत हो गई थी, जब LAB की रैली हिंसक हो गई थी।

LAB और KDA के संयुक्त आह्वान पर कारगिल और द्रास में पूरी तरह बंद रहा। ये दोनों संगठन पिछले पांच वर्षों से राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन चला रहे हैं। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने लेह के सिंगे नामग्याल चौक में रैली स्थल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस और सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।अधिकारियों के अनुसार कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं मिली।

सड़कें बंद, प्रतिबंध के बाद भी लोग रैली में पहुंचे: लेह में पत्रकारों से बात करते हुए चेरिंग दोरजे ने कहा कि प्रशासन ने सड़कें बंद कर दी थीं, प्रतिबंध लगा दिए थे। फिर भी लोगों ने बड़ी संख्या में रैली में भाग लिया। उन्होंने लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने के लिए बधाई दी और रैली को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि एपेक्स बॉडी को जनता का समर्थन नहीं है, लेकिन आज लद्दाख के लोगों ने दिखा दिया कि वे LAB और KDA के साथ हैं। सोनम वांगचुक, जो इस आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक हैं, को सितंबर में इस आरोप में NSA के तहत हिरासत में लिया गया था कि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काई।

मध्य प्रदेश में 19 मार्च से शुरू होगा जल गंगा संवर्धन अभियान, शिप्रा तट उज्जैन में होगा शुभारंभ

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम हर गांव, हर शहर और हर नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों से जोड़ना चाहते हैं। समाज और सरकार जब साथ मिलकर काम करेंगे, तो मध्यप्रदेश समृद्धि की दिशा में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को जारी संदेश में कहा कि प्रदेश के नागरिकों को पानी बचाने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना होगा, इससे मध्य प्रदेश जल संचयन और प्रबंधन में देश का एक मॉडल स्टेट बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संबंधी जरूरतों की पूर्ति और भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की सुरक्षा की मंशा से प्रदेश सरकार एक बार फिर बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान शुरु करने जा रही है। भारतीय नववर्ष प्रतिपदा (गुढ़ी

❑ **जल है तो कल है का नहीं है कोई विकल्प, बूंद-बूंद बचाने के करेंगे हर संभव प्रयास: मुख्यमंत्री डॉ. यादव**

पड़वा) के शुभ अवसर पर 19 मार्च को उज्जैन की शिप्रा नदी तट से इस राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 30 जून तक अनवरत् चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण एक सामाजिक आंदोलन बनाना है। प्रदेश की जनता, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और विभिन्न शासकीय विभागों की साझेदारी से यह अभियान प्रदेश में जल संवर्धन की नई मिसाल स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण की परम्परा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल से ही तालाब, कुएं और बावड़ियां सिर्फ जल के स्रोत न होकर सामाजिक जीवन का केंद्र हुआ करते थे। सरकार उसी परम्परा को आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के जरिए पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य नई जल संरचनाएं बनाने के साथ ही प्रदेश में जल संरक्षण की संस्कृति को समृद्ध करना भी है। अभियान से गांव-गांव में लोगों को यह समझाया जाएगा कि वर्षा जल का संरक्षण, भूजल का पुनर्भरण और जल स्रोतों का संरक्षण जीवन और विकास दोनों के लिए अनिवार्य है।

जनभागीदारी है अभियान की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के इस महाअभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करे। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में श्रमदान कर तालाब और कुओं की सफाई की जाए। वर्षा जल के संचयन की व्यवस्था घरों में भी करने के उपाय करे। जल स्रोतों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यदि समाज और सरकार मिलकर काम करेंगे, तो प्रदेश जल समृद्ध राज्य बन सकता है।

छात्र की डेडबॉडी देने कनाडा सरकार मांग रही 35 लाख

एजेंसी, उज्जैन

◆ **उज्जैन लाने के 10 लाख अलग लगेंगे, दो दिन पहले कार से कुचलकर हत्या हुई थी**

कनाडा में कार से कुचले गए उज्जैन के छात्र गुरकीरत सिंह मनोचा की बॉडी भारत लाने में परिवार के सामने बड़ी आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। परिजन का कहना है कि कनाडा सरकार बॉडी देने के लिए करीब 40 हजार डॉलर (लगभग 35 लाख रुपए) जमा कराने को कह रही है। इतना ही नहीं, जांच प्रक्रिया के कारण अस्पताल से बॉडी 15 दिन बाद ही दी जाएगी। परिवार ने बताया कि बॉडी को कनाडा से उज्जैन लाने में करीब 10 लाख रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा।

ऐसे में परिजन ने केंद्र और राज्य सरकार के साथ स्थानीय प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। बता दें, गुरकीरत सिंह मनोचा की दो दिन पहले कनाडा में कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। सरकार से मदद की लगाई गुहार गुरकीरत सिंह के पिता गुरजीत सिंह का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का इंतजाम करना उनके लिए संभव नहीं है। ऐसे में सरकार ही उनकी मदद करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आर्थिक सहायता देने की गुहार लगाई है।

पिता बोले- बेटा बेहद शांत स्वभाव का था: पिता गुरजीत सिंह ने बताया कि गुरकीरत लगभग सवा साल पहले पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। वह बेहद शांत और नेक स्वभाव का था। वह किसी भी विवाद में नहीं पड़ता था। उन्होंने कहा कि यह घटना परिवार के लिए बेहद दुखद है। उन्होंने बताया कि इस मामले में कनाडा में जांच जारी है। स्थानीय पुलिस ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो-तीन अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

शिमला में दिन में छाया अंधेरा ठियोग में भारी ओलावृष्टि

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में दिन में ही अंधेरा सा छा गया। दोपहर 3 बजे के बाद कुछ देर भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई। ठियोग व आसपास में भी भारी ओलावृष्टि के बाद बर्फ जैसी सफेद चादर बिछ गई। इससे फूलगोभी, मटर और स्टोन फ्रूट को काफी नुकसान हुआ। उधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में सुबह से ही बर्फबारी हो रही है। अटल टनल रोहतांग में 20 घंटे बाद भी कुछ पर्यटक और टूरिस्ट व्हीकल बर्फ में फंसे हुए है। हालांकि, अधिकांश टूरिस्ट को सुरक्षित होटलों को शिफ्ट कर दिया है।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी डीसी कुल्लू और लाहौल स्पीति को अटल टनल व आसपास फंसे टूरिस्ट को जल्द सुरक्षित जगह भेजने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के काफी संख्या में टूरिस्ट बर्फ देखने बीते कल अटल टनल रोहतांग, कोकसर, सिस्सू और आसपास के पर्यटन स्थलों पर पहुंचे। दिनभर टूरिस्ट ने इन जगह पर बर्फ के बीच मस्ती और शाम को जब वापस लौटने लगे तो सड़क पर फिसलन बढ़ गई। इससे लगभग एक हजार टूरिस्ट व्हीकल पूरी रात अटल टनल में फंसे रहे। इससे हजारों टूरिस्टों ने पूरी रात गाड़ियों में काटी। सड़क पर बर्फ की मोटी परत के कारण फिसलन बढ़ गई। इससे वाहनों को निकालना मुश्किल हो गया। आज भी ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हो रही है।

भारत में एक साल में 24 अरबपति बढ़े

एजेंसी, नई दिल्ली

❑ **अब 229, लक्ष्मी मित्तल रोज 274 करोड़ कमाकर देश के चौथे सबसे अमीर बने**

फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 2025 से बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80% से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस लिस्ट में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हो गए हैं।

टॉप-10 में उदय कोटक की नई एंट्री: तीसरे नंबर पर ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल हैं। वे भारत की सबसे अमीर

महिला बनी हुई हैं। लिस्ट में 20 भारतीय महिला अरबपति शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक इस साल टॉप-10 में शामिल हुए हैं। हाल ही में उन्हें पद्म भूषण मिला था। उनकी एंट्री से डीएलएफ के पीछे रहे प्रॉपर्टी डेवलपर कुशल पाल सिंह 12वें नंबर पर खिसक गए।

पेटीएम फाउंडर 3 साल बाद लिस्ट में लौटे: एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी नए अरबपतियों में शामिल हैं। नवंबर में कंपनी के आईपीओ के बाद वे इस क्लब में आए। पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा तीन साल बाद फिर लिस्ट में लौटे हैं। पेटीएम के शेयर पिछले साल करीब 60% चढ़े, हालांकि यह अभी भी आईपीओ की करीब आधी प्राइस पर ट्रेड कर रहे हैं।

पहली बार 2009 में फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट आई थी: फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच लिस्ट 2009 में लॉन्च की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जाती है। नेटवर्थ USD में कैलकुलेट होती है।

भारत में अस्पतालों में आग की बढ़ती घटनाएँ- अस्पताल सुरक्षा, फायर ऑडिट और प्रशासनिक जवाबदेही पारदर्शी निगरानीं को सर्वोच्च प्राथमिकता ज़रूरी- समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» कटक हादसा- घटना ने एक बार फिर देश के अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था,फायर ऑडिट और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं?

» अस्पताल में आगे के मामले में अस्पताल प्रबंधन,ठेकेदार बिजली विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त जिम्मेदारी होती है- लेकिन अंतिम दोषसिद्धि बहुत कम मामलों में होती है ऐसा क्यों? -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर ओडिशा के कटक स्थित श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सोमवार 16 मार्च 2026 को अर्ली मॉर्निंग घटी भयावह आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस घटना ने एक बार फिर देश के अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था, फायर ऑडिट और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।अस्पताल उपचार का केंद्र या जोखिम का स्थल ?अस्पताल समाज के लिए जीवन रक्षक संस्थान माने जाते हैं।यहां आने वाला हर व्यक्ति यह उम्मीद करता है कि उसे सुरक्षित वातावरण में इलाज मिलेगा।लेकिन जब वही अस्पताल आग जैसी दुर्घटनाओं के कारण मौत का केंद्र बन जाएँ,तो यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है।भारत में पिछले एक दशक में अस्पतालों में आग लगने की घटनाएँ बार-बार सामने आई हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन घटनाओं में सैकड़ों मरीजों की जान जा चुकी है।अधिकतर मामलों में जांच बैठती है, कुछ अधिकारियों को निलंबित किया जाता है,लेकिन अंतिम सजा बहुत कम मामलों में होती है।यही कारण है कि यह समस्या बार-बार दोहराई जाती है।अस्पतालों में आग की घटनाओं के बाद अक्सर जांच समितियां गठित की जाती हैं। कई बार अस्पताल प्रबंधन और अधिकारियों को निलंबित भी किया जाता है।लेकिन अंतिम दोषसिद्धि और सजा बहुत कम मामलों में होती है।उदाहरण के लिए एएमआरआई अस्पताल मामले में निदेशकों कोगिरफ्तार किया गया और उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन लंबे समय बाद कई आरोपियों को जमानत मिल गई। अस्पताल आग दुर्घटनाओं में दोषसिद्धि कम होने का एक बड़ा कारण कानूनी प्रक्रिया की जटिलता भी है।अक्सर यह साबित करना कठिन होता है कि दुर्घटना सीधे किसी व्यक्ति की लापरवाही के कारण हुई है। कई मामलों में अस्पताल प्रबंधन,ठेकेदार,बिजली विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त जिम्मेदारी होती है, जिससे जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है।इसके अलावा साक्ष्यों का अभाव भी बड़ी समस्या है।आग लगने के बाद कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और तकनीकी प्रमाण नष्ट हो जाते हैं। इससे जांच कमजोर पड़ जाती है।रात लगभग तीन बजे अस्पताल की पहली मंजिल पर स्थित ट्रॉमा केयर आईसीयू में अचानक आग लग गई। उस समय वहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों ने मरीजों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक कई मरीज गंभीर रूप से झुलस चुके थे। इस दुखद हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई, जिनमें से

7 मरीजों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 3 मरीजों की मृत्यु इलाज के दौरान हुई। बचाव कार्य के दौरान अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी भी झुलस गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। साथियों बात अगर हम अस्पतालों में आग लगने केप्रमुख कारणों को समझने की करें तो, विश्लेषकों और अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार अस्पतालों में आग लगने के कई प्रमुख कारण होते हैं। इनमें सबसे बड़ा कारण शॉर्ट सर्किट और खराब विद्युत व्यवस्था है। कई अस्पतालों में पुरानीवायरिंग होती है,जो अत्यधिक विद्युत भार के कारण गर्म होकर आग पकड़ लेती है। इसके अलावा आईसीयू और अन्य वार्डों में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी अत्यधिक गर्मी उत्पन्न करते हैं।दूसरा बड़ा कारण ऑक्सीजन सिलेंडरों की अधिकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह समस्या और स्पष्ट हुई। ऑक्सीजन अत्यधिक ज्वलनशील वातावरण बनाती है, जिससे छोटी सी चिंगारी भी बड़े विस्फोट का रूप ले सकती है।तीसरा कारण फायर एनओसी का अभाव या उसका नवीनीकरण न होना है। कई अस्पताल बिना उचित फायर सुरक्षा प्रमाणपत्र के ही संचालित होते रहते हैं। चौथा कारण आपातकालीन निकास मार्गों का अभाव है। कई अस्पतालों में निकास मार्ग या तो बंद रहते हैं या उनमें अवैध निर्माण कर दिया जाता है।इसके अलावा अवैध निर्माण, भवन की खराब डिजाइन, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम का अभाव तथा कर्मचारियों को फायर सुरक्षा का प्रशिक्षण न होना भी बढ़ी महत्वपूर्णसटीक समस्या है। साथियों बात कर हम सबसे अधिक खतरा आईसीयू और नवजात वार्ड में क्यों? इसको समझने की करें तो अस्पतालों में होने वाली अधिकांश मौतें आईसीयू और नवजात शिशु वार्ड में होती हैं। इसके कई कारण हैं। आईसीयू में भर्ती मरीज अक्सर गंभीर स्थिति में होते हैं और स्वयं चलने-फिरने में सक्षम नहीं होते। इसलिए आग लगने की स्थिति में उन्हें तुरंत बाहर निकालना कठिन हो जाता है।दूसरा कारण यह है कि आईसीयू में ऑक्सीजन सिलेंडरों की संख्या अधिक होती है। तीसरा कारण यह है कि वहां कई प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगातार चलते रहते हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट की संभावना बढ़ जाती है। चौथा कारण यह है कि बंद कमरों में धुआं बहुत तेजी से फैलता है, जिससे मरीजों का दम घुटने का खतरा बढ़ जाता है। साथियों बात कर हम कागजों में फायर ऑडिट-जमीन पर लापरवाही को समझने की करें तो विशेषज्ञों के अनुसार अस्पतालों में आग की घटनाएं इसलिए भी नहीं रुक रही हैं क्योंकि फायर ऑडिट अक्सर केवल कागजों में ही सीमित रह जाते हैं। कई अस्पताल निरीक्षण से पहले ही अस्थायी व्यवस्था कर लेते हैं और निरीक्षण के बाद फिर लापरवाही शुरू हो जाती है। कई राज्यों में फायर विभाग के पास निरीक्षण के लिए पर्याप्त कर्मचारी भी नहीं होते।इसके अलावा अस्पतालों में सुरक्षा उपकरण तो लगाए जाते हैं, लेकिन उनका नियमित रखरखाव नहीं होता। फायर अलार्म सिस्टम काम नहीं करते, स्प्रिंकलर जाम हो जाते हैं और अग्निशमन यंत्रों की समय-समय पर जांच नहीं होती। साथियों बात अगर हम आरोपियों को सजा नहीं होने व शीघ्र जमानत पर छूटने को समझने की करें तो यही वह बिंदु है जहां

भारत की प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरी सामने आती है। जब जवाबदेही तय नहीं होती,तो लापरवाही दोहराई जाती है।भंडारा महाराष्ट्र अस्पताल आग मामले में डॉक्टरों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया और तकनीकी कर्मचारियों पर केस दर्ज किया गया। विरार अस्पताल आग मामले में अस्पताल मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और प्रशासनिक जांच बैठाई गई। दिल्ली के नवजात अस्पताल मामले में अवैध लाइसेंस के कारण अस्पताल संचालक को गिरफ्तार किया गयाअहमदाबाद के श्रेय अस्पताल में आग लगने के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया और प्रबंधन पर केस दर्ज किया गया। लेकिन इन अधिकांश मामलों में अंतिम सजा या दोषसिद्धि बहुत कम हुई। साथियों बात अगर हम भारत का सबसे बड़ा अस्पताल अग्निकांड- एक भयावह स्मृति को समझने की करें तो भारत के इतिहास में सबसे बड़ाअस्पताल अग्निकांड वर्ष 2011 में कोलकाता के एएमआरआई अस्पताल में हुआ था। इस दुर्घटना में 89 से 93 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकांश मरीजों की मृत्यु धुएं से दम घुटने केकारण हुई थी। जांच में पता चला कि अस्पताल के बेसमेंट में ज्वलनशील सामान का अवैध भंडारण किया गया था, जिससे आग तेजी से फैल गई। इस घटना के बाद अस्पताल के छह निदेशकों को गिरफ्तार किया गया, अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया गया और कई अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए। हालांकि वर्षों बाद कई आरोपियों को जमानत भी मिल गई। यह घटना आज भी भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एकसटीक चेतावनी के रूप में याद की जाती है। साथियों बात अगर हम पिछले दशक में अस्पतालों में आग की भयावह तस्वीर को समझने की करें तो पिछले लगभग 10 से 15 वर्षों में भारत में अस्पतालों में आग लगने की कई बड़ी घटनाएँ सामने आई हैं।विभिन्न सरकारी रिपोर्टों और मीडिया विश्लेषणों के अनुसार वर्ष 2011 से 2024 के बीच कम से कम 13 बड़े अस्पताल अग्निकांडों में लगभग 180 लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा केवल प्रमुख घटनाओं का है।इसके अलावा हर वर्ष छोटे-मोटे कई आग हादसे भी होते हैं,जिनमें कई मरीज घायल होते हैं। यह आंकड़ा इस बात का संकेत देता है कि अस्पतालों में आग की समस्या केवल आकस्मिक दुर्घटना नहीं बल्कि एक संरचनात्मक और प्रशासनिक विफलता का परिणाम है।हाल के वर्षों की प्रमुख अस्पताल अग्निकांड घटनाएँयदि हाल के वर्षों की प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें तो यह समस्या और स्पष्ट दिखाई देती है। वर्ष 2026 में कटक के सरकारीमेडिकल कॉलेज अस्पताल में आईसीयू में आग लगने से 10 से अधिक मरीजों की मौत हुई। वर्ष 2024 में झांसी मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु वार्ड में आग लगने से 10 नवजातों की मृत्यु हुई। उसी वर्ष दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक निजी अस्पताल में आग लगने से 7 नवजात शिशुओं की जान चली गई, जहां बाद में पता चला कि अस्पताल अवैध लाइसेंस पर संचालित हो रहा था।वर्ष 2022 में जबलपुर के एक अस्पताल में आईसीयू में आग लगने से 8 मरीजों की मौत हो गई। वर्ष 2021 भारत में अस्पताल आग दुर्घटनाओं के लिए विशेष रूप से भयावह रहा। महाराष्ट्र के अहमदनगर कोविड अस्पताल में आईसीयू में आग लगने से 11 मरीजों की मौत हुई। उसी वर्ष पालघर जिले के विरार स्थित विजय वल्लभ कोविड अस्पताल में एसी यूनिट से लगी आग ने 15 मरीजों की जान ले ली। महाराष्ट्र के भंडारा जिला अस्पताल में नवजात शिशु वार्ड में आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई।वर्ष 2020 में भी कई बड़े हादसे हुए। विजयवाड़ा के एक कोविड सेंटर में आग लगने से 10 मरीजों की मौत हो गई।अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल में आईसीयू में आग लगने से 8 मरीजों की मृत्यु हुई, जबकि राजकोट के कोविड अस्पताल में आईसीयू में आग लगने से 5 मरीजों की जान चली गई। वर्ष 2018 में मुंबई के ईएसआईसी अस्पताल में आग और धुएं के कारण 8 लोगों की मृत्यु हुई। इससे पहले 2016 में भुवनेश्वर के एसयूएम अस्पताल में लगी आग में 20 से 22 लोगों की मौत हुई थी।इन सभी घटनाओं को जोड़कर देखें तो 2016 से 2026 के बीच केवल प्रमुख मामलों में ही लगभग 120 से 150 लोगों की मौत हुई है। यदि छोटे मामलों को भी शामिल किया जाए तो यह संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। साथियों बात अगर हम समाधान -अस्पताल सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को समझने की करें तो यदि भारत को अस्पताल आग दुर्घटनाओं को रोकना है तो कई स्तरों पर सुधार करने होंगे। सबसे पहले सभी अस्पतालों के लिए नियमित और पारदर्शी फायर ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। दूसरा, अस्पताल भवनों की डिजाइन और विद्युत व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जाना चाहिए।तीसरा, अस्पताल कर्मचारियों को नियमित रूप से फायर सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए और समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए।चौथा, आपातकालीन निकास मार्गों को हमेशा खुला और सुरक्षित रखा जाना चाहिए।सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि दुर्घटनाओं में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई की जाए। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मानकों से तुलना करके समझने की करें तो,दुनिया के कई विकसित देशों में अस्पतालों में फायर सुरक्षा को अत्यंत गंभीरता से लिया जाता है। वहां अस्पताल भवनों की डिजाइन से लेकर बिजली व्यवस्था, ऑक्सीजनपाइपलाइन अग्निशमन उपकरण और कर्मचारियों के प्रशिक्षण तक सभी चीजों के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। नियमित फायर ड्रिल कराई जाती है और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर भारी जुर्माना और आपराधिक कार्रवाई की जाती है। भारत में भी ऐसे नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन कमजोर है। यही कारण है कि दुर्घटनाएँ लगातार हो रही हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे क्ि जीवन बचाने वाले संस्थानों को सुरक्षित बनाना होगा कटक मेडिकल कॉलेज अस्पताल की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं बल्किभारत की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों का प्रतीक है। पिछले एक दशक में सैकड़ों लोग अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार जांच और मुआवजे की घोषणा होती है, लेकिन यदि व्यवस्था में वास्तविक सुधार नहीं होता तो ऐसी घटनाएं बार-बार दोहराई जाती रहेंगी।अस्पताल वह स्थान है जहां लोग जीवन की आशा लेकर आते हैं। यदि वही स्थान असुरक्षित हो जाए तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। इसलिए अब समय आ गया है कि अस्पताल सुरक्षा, फायर ऑडिट और प्रशासनिक जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है; उनका कठोर पालन और पारदर्शी निगरानी भी उतनी ही आवश्यक है। तभी अस्पताल वास्तव में जीवन बचाने वाले सुरक्षित केंद्र बन

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

खाड़ी संकट, तेल आपूर्ति और रेमिटेंसः भारत के सामने उभरता बहुआयामी खतरा

लेखक- भूपेन्द्र गुप्ता

पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चिंतित कर दिया है। विशेष रूप से जलडमरू मध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ये दोनों मार्ग वैश्विक ऊर्जा और व्यापार की जीवनरेखा माने जाते हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर है और जिसके लाखों नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं, इस संकट से सीधे और परोक्ष—दोनों तरह से प्रभावित हो सकता है।सबसे पहला और सबसे बड़ा खतरा तेल आपूर्ति से जुड़ा है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र जैसे सऊदी अरब,ईराक,यूएई, और कुवैत से आता है। इन देशों से आने वाला अधिकांश तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है या जहाजों की आवाजाही सीमित होती है, तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महँगा होने का सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल, परिवहन लागत, बिजली उत्पादन और अंततः खाद्य वस्तुओं तक पर पड़ता है। परिणामस्वरूप महँगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति धीमी हो सकती है। दूसरा बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार और शिपिंग लागत पर पड़ता है। युद्ध या हमले की आशंका बढ़ने पर जहाज कंपनियाँ अतिरिक्त "वॉर-रिस्क इंश्योरेंस" लेती हैं, जिससे परिवहन लागत बढ़ जाती है। कई बार जहाज जोखिम वाले मार्गों से बचकर लंबा रास्ता अपनाते हैं, जैसे लाल सागर से होकर आने के बजाय अफ्रीका के दक्षिणी सिरे केप आफ गुड होप से घूमकर आना। इससे यात्रा समय 10–15 दिन तक बढ़ सकता है और माल ढुलाई महँगी हो जाती है। इसका असर आयातित वस्तुओं—जैसे उर्वरक, खाद्य तेल, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स—की कीमतों पर पड़ता है, जो घरेलू बाजार में महँगाई को और बढ़ा सकता है। तीसरा महत्वपूर्ण पहलू गैस आपूर्ति का है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, विशेष रूप से कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस एलएनजी। यदि समुद्री मार्ग असुरक्षित हो जाते हैं, तो गैस की आपूर्ति बाधित हो सकती है या महँगी हो सकती है। इससे बिजली उत्पादन, उर्वरक उद्योग और शहरी गैस वितरण पर प्रभाव पड़ेगा, जिसका व्यापक असर उद्योग और कृषि दोनों पर पड़ सकता है। चौथा और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा) का है। खाड़ी देशों में लगभग 80 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, विशेषकर यूएई, सऊदी अरब,कतर,और कुवैत में। ये प्रवासी हर वर्ष अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, जो देश के विदेशी मुद्रा भंडार और लाखों परिवारों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। यदि क्षेत्र में युद्ध या आर्थिक मंदी आती है, तो निर्माण, तेल और सेवा क्षेत्रों में रोजगार घट सकता है, वेतन कम हो सकता है या भारतीयों की बड़े पैमाने पर वापसी हो सकती है। इससे रेमिटेंस घटेगा और उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर विशेष असर पड़ेगा जहाँ प्रवासी आय का बड़ा हिस्सा आता है। हालाँकि भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। देश ने जो रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए हैं वे सीमित हैं,और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश रूस,ब्राजील और यूएस जैसे देशों से आयात बढ़ाकर की जानी चाहिए।इसके अलावा भारतीय नेवी समुद्री क्षेत्र में सक्रिय निगरानी और भारतीय जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात रहती है।

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवालः कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

लेखक- योगेश कुमार गोयल

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है। वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है। भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है। इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती। इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है। इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है। संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

कठपुतली कला से लोगों को जागरूक कर रहे हैं सुनील सरला

लेखक - कुमार कृष्णन

कभी मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहीं कठपुतलियां जागरूकता का काम भी कर रही हैं। कठपुतलियों के जरिए सामाजिक मुद्दों को रोचक तरीके से भी उठाया जा रहा। वहीं, कठपुतलियां सुशिक्षित और स्वस्थ समाज का भी बुलंद संदेश दे रहीं। इतिहास में दर्ज नामों की प्रेरक कहानियों को कठपुतलियों के जरिए जन-जन तक पहुंचाने के भी प्रयास हो रहे हैं।21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। कठपुतलियों के खेल मेलों से लेकर गांव-मोहल्लों में अक्सर देखने को मिलते थे, जो बेहद मनोरंजक हुआ करते थे। लेकिन पहले टीवी और फिर इंटरनेट युग ने समय के साथ इन कठपुतलियों को बच्चों से दूर कर दिया। संस्कृति की डोर से बंधी कठपुतली कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परंपराओं और लोककथाओं की एक जीवंत कहानी है। यह कला हमें अतीत से जोड़ती है और समाज को शिक्षाप्रद संदेश भी देती है।कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्याई ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। साथ ही सिंहासन बत्तीसी नामक कथा में भी 32 पुतलियों का उल्लेख है। पुतली कला की प्राचीनता के संबंध में तमिल ग्रंथ 'शिल्पादिकारम्' से भी जानकारी मिलती है। पुतली कला कई कलाओं जैसे लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि का मिश्रण है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि शिक्षा कार्यक्रमों, रिसर्च कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। साथ ही साथ यह बच्चों के व्यक्तित्व के बहुमखी विकास में सहायक होता है। बता दें कि, भारत में सभी प्रकार की पुतलियां पाई जाती हैं, जैसे धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि। कठपुतली कला को चंद कलाकार अब भी जीवंत बनाए हुए हैं, उनमें से एक हैं बिहार के मुजफ्फरपुर के सुनील सरला। कठपुतली से शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता करते सुनील बच्चों के साथ साथ देश समाज में बो रहे हैं कला का संस्कार।कठपुतली जब जल जीवन हरियाली की बात करें तो शहरी लोगों के साथ साथ ग्रामीण लोग भी पर्यावरण जैसे गंभीर विषय को सरल व सहजतापूर्वक समझ जाते हैं।गीत संगीत कहानियों के माध्यम से कठपुतली सामाजिक विज्ञान,समाज सुधार अभियान को लेकर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से देश समाज में जागरूक करने वाले सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक लोक कलाकार सुनील कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड मालीघाट निवासी कठपुतली कला का प्रशिक्षण देते है।हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया (एचपीपीआई) किलकारी,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तरियानी(शिवहर) बंजरिया(पूर्वी चंपारण) चनपटिया(पश्चिम चंपारण) थूम्मा (रुन्नी सैदपुर) सीतामढ़ी,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग, मुजफ्फरपुर, विक्रम (पटना)छतौनी (मोतिहारी) पूर्वी चंपारण, पिरोता ,भोजपुर जिला के साथ साथ अन्य राज्यों में कठपुतली कला प्रशिक्षण देने वाले सुनील कुमार की पहचान कठपुतली कलाकार के साथ साथ कठपुतली प्रशिक्षक की भी हैं।

आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की

पत्नी श्वेता पुंडीर कंटेंट क्रिएटर, क्रिकेटर पर पिछले साल रेप के 2 केस दर्ज हुए थे

बेंगलुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबपी) के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने 4 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। शादी में क्रिकेट जगत से किसी के शामिल होने की खबर नहीं है।

श्वेता पुंडीर दिल्ली की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और व्लॉगर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 5.87 लाख फॉलोअर्स हैं। वे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स लीग में ब्रॉडकास्टर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं।

यश दयाल पर पिछले साल 2025 में रेप के 2 केस दर्ज हुए थे। गाजियाबाद की एक महिला ने दयाल पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और जयपुर की एक नाबालिक ने रेप का दर्ज कराया था।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2-1 से वनडे सीरीज हराई

- तीसरा वनडे 11 रन से जीता, तंजिद का शतक, सलमान आगा की सेंचुरी बेकार गई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में 11 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। ढाका के शेरे बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तंजिद हसन तमिम ने शानदार शतक लगाते हुए टीम को 50 ओवर में 5 विकेट पर 290 रन तक पहुंचाया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 50 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए सलमान आगा ने 106 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन उनका शतक टीम को हार से नहीं बचा सका।

तमिम के शतक से बांग्लादेश का मजबूत स्कोर– टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत संभली हुई रही। सैफ हसन (36) और तंजिद हसन तमिम ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी की। सैफ के आउट होने के बाद भी तमिम ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 107 गेंद में 107 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के लगाए। मिडिल ऑर्डर में नजमुल हुसैन शांतो (27) और लिटन दास (41) ने टीम को स्थिरता दी। आखिरी ओवरों में तौहीद हृदय ने 44 गेंद में नाबाद 48 रन बनाकर टीम को 290 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत– 291 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही।

सिनर पहली बार इंडियन वेल्स चैंपियन

मेदवेदेव को हराया

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका जीतीं, फाइनल में रायबाकिना को मात दी

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स ओपन में इटली के जैनिक सिनर और बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने खिताब जीता। मेन्स सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने रूस के डैनियल मेदवेदेव को हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स टाइटल जीता। वहीं, विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

सिनर फेडरर और जोकोविच के क्लब में शामिल हुए– सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह एटीपी मास्टर्स 1000, निट्टो एटीपी फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी। सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था और अगले तीन सालों के भीतर ही उन्होंने हार्ड कोर्ट के सभी बड़े एलीट खिताब अपने नाम कर लिए।सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया।

खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की।

सबालेंका ने चैंपियनशिप पॉइंट बचाया और मैच जीता

विमेंस सिंगल्स का फाइनल में आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की। तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह सबालेंका का पहला इंडियन वेल्स खिताब है। इससे पहले वह दो बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में हार चुकी थीं।

रायबाकिना से पुराना हिसाब चुकता किया– साल 2023 के इंडियन वेल्स फाइनल में एलिना रायबाकिना ने ही सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। इस बार सबालेंका ने उस हार का बदला ले लिया।

गिल-मंधाना बीसीसीआई इंटरनेशनल

क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए

- 2 साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांचों टीमें सम्मानित, द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने रविवार को नमन अवॉर्ड 2026 में अपने क्रिकेटर्स को सम्मानित किया। नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारतीय कप्तान शुभमन गिल और स्मृति मंधाना को बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ ईयर दिया गया।

यहां 1983 वर्ल्डकप विजेता टीम के सदस्य रोजर बिन्नी और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से दिया गया। वहीं, भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को भी यह सम्मान मिला।

यहां पिछले 2 साल में 5 आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली पांचों टीमों को सम्मानित किया गया।

बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर

1. **शुभमन गिल – पिछले साल तीनों फॉर्मेट के टॉप स्कोरर–** भारतीय कप्तान गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 991 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में 70 से ज्यादा की औसत से बनाए गए 754 रन शामिल थे। वनडे में भी गिल ने 447 रन बनाए और भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई।
2. **स्मृति मंधाना – वनडे वर्ल्ड कप में भारत की टॉप स्कोरर–** स्मृति मंधाना ने पिछले 2 सीजन में 36 मैचों में 1,984 रन बनाए, इनमें 7 शतक शामिल रहे। इनमें से 6 शतक वनडे क्रिकेट में आए। जबकि एक शतक टी-20 इंटरनेशनल में आया।

लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड

1. **राहुल द्रविड़– खिलाड़ी से कोच तक योगदान–** द्रविड़ को क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन बनाए और एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भारतीय क्रिकेट के भविष्य को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हेड ऑफ क्रिकेट के रूप में उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार किया और प्रतिभा की मजबूत पाइपलाइन बनाई। उनकी कोचिंग में भारत ने 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता। बाद में भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में उन्होंने 2024 में भारत को आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप जिताया।

रोजर बिन्नी | राहुल द्रविड़ | मिताली राज

2. **रोजर बिन्नी– 1983 वर्ल्डकप के टॉप विकेट टेकर–** 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान दिया। वे 1983 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बिन्नी ने 1985 वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम में भी जगह बनाई थी। वह पहले भारतीय क्रिकेटर थे, जिन्होंने वनडे मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों की शुरुआत की। बतौर कोच और प्रशासक के रूप में भी योगदान दिया। बिन्नी ने 2000 में भारतीय अंडर-19 टीम को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जिताया और 2012 से 2016 तक राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे। वे 2022 से 2025 तक बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष भी रहे और उनके कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट ने वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां हासिल कीं।
3. **मिताली राज– 23 साल का इंटरनेशनल करियर–** मिताली राज का इंटरनेशनल करीब 23 साल का रहा। उन्होंने 1999 में 16 साल की उम्र में आयरलैंड के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जून 2022 में संन्यास लिया। मिताली ने 232 वनडे मैचों में रिकॉर्ड 7805 रन बनाए, जो विमेंस क्रिकेट में सबसे ज्यादा हैं।

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

- पहले टी-20 में 92 रन का टारगेट मिला था, डेब्यू कर रहे मोकोएना को 3 विकेट

ओवल (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने पहले टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इसके साथ प्रोटियाज टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। 15 मार्च को माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय टीम के लिए सही साबित नहीं हुआ। कीवी टीम 14.3 ओवर में सिर्फ 91 रन पर ऑलआउट हो गई। इंटरनेशनल टी-20 में यह न्यूजीलैंड का 10वां सबसे छोटा स्कोर है। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया और सीरीज में 1-0 बढ़त हासिल कर ली। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

डेब्यूटेंट मोकोएना ने 3 विकेट लिए– साउथ अफ्रीका के लिए डेब्यू कर रहे नकोबानी मोकोएना ने 3.3 ओवर में 26 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं जेराल्ड कूट्जी और ओटनील बार्टमैन ने 3-3 ओवर में 2-2 विकेट झटके।

न्यूजीलैंड की बैटिंग फेल

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए जेम्स नीशम ने सबसे ज्यादा 21 गेंदों पर 26 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मिचेल सैंटनर ने 19 गेंदों पर 15 रन, कोल मैकॉन्ची ने 11 गेंदों पर 15 रन और बेवॉन जैकब्स ने 7 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। हालांकि टीम के सात बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 7वें विकेट के लिए हुई, जब नीशम और मैकॉन्ची ने 17 गेंदों में 26 रन जोड़े।

व्यापार

मार्केट में बड़े-बड़े जब मांग रहे पानी तो 35 प्रतिशत उछला शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में पिछले एक महीने से बड़ी-बड़ी कंपनियों के शेयर जब पानी मांग रहे हैं तो तेजस नेटवर्क की तेजी सबको हैरान कर रही है। इस कंपनी के शेयर एक महीने में करीब 35 पर्सेंट उछल चुके हैं। जबकि, इस अवधि में निफ्टी 9 पर्सेंट से अधिक टूटा है। आज एक नई खबर ने तेजस के शेयर को और ऊंची उड़ान दी है। दक्षिण एशिया में मिले एक बड़े प्रोजेक्ट से आज स्टॉक उड़ान भर रहा है। शुरुआती कारोबार में इसमें 9 प्रतिशत की तेजी देखी गई। ग्लोबल ब्रॉडबैंड, ऑप्टिकल और वायरलेस नेटवर्किंग कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दरअसल, कंपनी को दक्षिण एशिया में 4त्न नेटवर्क विस्तार परियोजना के लिए चुना गया है। इस खबर के बाद निवेशकों में उत्साह का माहौल है और शेयरों की खरीदारी बढ़ गई है। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 9.08 प्रतिशत उछलकर 463 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:36 बजे तक यह 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 445.79 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। बीते महीने ही कंपनी ने 5जी मैसिव मिमो रेडियो के उत्पादन और आपूर्ति के लिए एनईसी कॉर्पोरेशन के साथ एक समझौता किया था। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो दिसंबर तिमाही के नतीजों में कंपनी को 197 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 166 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

सोना, शेयर, म्यूचुअल फंड समेत हर मोर्चे पर झटका देगा कच्चा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले 15 सालों में भारतीय बाजार ने कई बड़े संकट और युद्ध देखे हैं। हर बार बाजार इन संकट से बाहर निकलने में कामयाब रहा। कोविड संकट के दौरान भारी गिरावट देखने वाले भारतीय बाजारों ने अगले कुछ वर्षों में लगभग 21-22प्रतिशत तक मुनाफा दिया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से निवेशकों को हर मोर्चे पर बुरी तरह झटका लगा है। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब सभी निवेश विकल्पों (एसेट क्लास) में एक साथ गिरावट आई है। इसका प्रमुख कारण कच्चे तेल के बेतहाशा चढ़ते दाम हैं। यदि कच्चा तेल 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा तो निवेशकों का जोखिम और बढ़ सकता है। मध्य-पूर्व में जंग शुरू होने के बाद से कच्चे तेल के दाम चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। संघर्ष शुरू होने के समय यह 72.48 डॉलर प्रति बैरल था, जो नौ मार्च को 65 फीसदी उछलकर 119.40 डॉलर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में कीमतों में कुछ गिरावट आई लेकिन यह एक बार फिर 100 डॉलर के पार निकल गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि होर्मुज जलमार्ग पर आपूर्ति चार से आठ सप्ताह तक बाधित रहती है तो तेल की कीमत 110 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। ऐसी स्थिति में भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए शेयर बाजार में भारी गिरावट जारी रहने और महंगाई उछलने का दोहरा संकट खड़ा हो सकता है।

सोना-चांदी: पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बावजूद सोने-चांदी की कीमतें गिर गई हैं। फरवरी के आखिर से अब तक सोना करीब छह फीसदी और चांदी नौ फीसदी तक टूट चुकी है। इसका प्रमुख कारण डॉलर में आई मजबूती है। कच्चे तेल का कारोबार ज्यादातर डॉलर में होता है, इसलिए इसके दाम उछलने से डॉलर की मांग बढ़ जाती है। जब डॉलर मजबूत होता है तो सोने पर दबाव बढ़ता है।

आगे की संभावना: फिलहाल बाजार का पैसा डॉलर, बॉन्ड और तेल से जुड़े निवेश विकल्प में ज्यादा जा रहा है। हालात बिगड़ने पर सोने-चांदी में तेज उतार-चढ़ाव आ सकता है।

शेयर बाजार: मार्च में अब तक घरेलू बाजार आठ फीसदी तक लुढ़क गए हैं। पिछले हफ्ते पांच फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। कई सालों बाद किसी एक हफ्ते में बाजार इतना गिरा है।

आईडीबीआई बैंक अब नहीं होगा प्राइवेट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। सरकार ने इस बैंक के रणनीतिक डिसइन्वेस्टमेंट से कदम पीछे खींच लिया है। रिपोर्ट के अनुसार हिस्सेदारी बेचने के लिए जो वित्तीय बोलियां लगाई गई थी वो रिजर्व प्राइस से भी कम है। बता दें, डिसइन्वेस्टमेंट नियमों के अनुसार सरकार की तरफ से ऐसी कोई बोली स्वीकार्य नहीं की जा सकती जो रिजर्व प्राइस से भी कम है। रिपोर्ट के अनुसार हिस्सेदारी बेचने के लिए रिजर्व प्राइस काफी अधिक है। वह बैंक के प्राइस टू बुक वैल्यूएशन के हिसाब से ज्यादा है। बोलीदाताओं में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और एमिरेट्स एनबीडी ने 6 फरवरी को फाइनेंशियल बिड्स को जमा किया था। कोटक महिंद्रा बैंक भी बोलीदाता के तौर पर चयनित किए गए थे। हालांकि, कोटक महिंद्रा बैंक ने पहले ही संकेत दिया था कि वो इस बिडिंग प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे।

मौजूदा समय में सरकार की होल्डिंग 45.48 प्रतिशत है। वहीं, एलआईसी के पास 49.24 प्रतिशत हिस्सा है। सरकार इस डिसइन्वेस्टमेंट प्रक्रिया के जरिए अपना और एलआईसी का हिस्सा मिलाकर 60.70 प्रतिशत बेचना चाहती थी। जिसमें 30.48 प्रतिशत सरकार की हिस्सेदारी और 30.24 प्रतिशत एलआईसी की हिस्सेदारी होगी। इस डिसइंवेस्टमेंट के बाद सरकार के पास 15 प्रतिशत हिस्सा और एलआईसी के पास 19 प्रतिशत हिस्सा बचता है।

ऑयल मार्केट में भूचाल: आईईए के भंडार खोलने के बावजूद कच्चा तेल 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने रविवार को ऐलान किया कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए तेल संकट से निपटने के लिए स्ट्रेटजिक ऑयल रिजर्व को तुरंत जारी किया जाएगा। इस योजना के तहत एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के देशों को सबसे पहले राहत मिलेगी, जबकि अमेरिका और यूरोप के सदस्य देशों की सप्लाई मार्च के अंत से शुरू होगी। हालांकि, इस ऐलान के बावजूद आज ब्लूमबर्ग पर ब्रेंट क्रूड 102.68 डॉलर प्रति बैरल और क्रूड 97.59 डॉलर प्रति बैरल पर था। सरकारी नियंत्रण वाले कुल 271.7 मिलियन बैरल तेल भंडार को दुनिया भर में इस आपातकालीन कार्रवाई के तहत जारी किया जाएगा।

कीमतों पर असर क्यों नहीं

इस ऐतिहासिक हस्तक्षेप के बावजूद, तेल की कीमतों में कोई खास कमी नहीं आई है। अभी भी कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर हुआ है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है और युद्ध से पहले के 70 डॉलर से काफी ऊपर है। यह स्थिति बाजार की इस चिंता को दर्शाती है कि ऐतिहासिक भंडार जारी करना भी फारस की खाड़ी में शिपिंग मार्गों में व्यवधान के कारण हुई सप्लाई की कमी की भरपाई पूरी तरह से नहीं कर सकता है। स्पष्ट किया है कि असली समाधान केवल भंडार जारी करना नहीं है, बल्कि होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से सामान्य टैंकर यातायात की बहाली है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों के बाद से ईरान ने इस रणनीतिक स्ट्रेट को प्रभावी रूप से अवरुद्ध कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)